संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 75
पृष्ठ 8
मंगलवार
03 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– बच्चों को गुड टच और....

विचार– सत्र में हंगामेः तय हो ....

खेल– जसप्रीत बुमराह महानतम....

पाकिस्तानी नौसेना को मजबूत बना रहा है चीन, भारत भी तैयार : नौसेना प्रमुख

नयी दिल्ली, एजेंसी। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने सोमवार को कहा कि चीन पाकिस्तान की नौसेना को युद्धपोतों तथा पनडुब्बियों से लैस कर मजबूत बनाने में लगा है लेकिन भारत किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय नौसेना की हिन्द महासागर में सभी नौसेनाओं की गतिविधियों पर कड़ी नजर रहती है और चीन की पनडुब्बी पिछले वर्ष इस क्षेत्र में आयी थी और फिर कराची गयी थी लेकिन उसके बाद से चीनी की पनडुब्बी इस क्षेत्र में दिखाई नहीं दी है। चीन और बंगलादेश की नौसेनाओं के बीच सहयोग के बारे में एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि उनके बीच प्रशिक्षण और अभ्यास होता है। बंगलादेश की नौसेना भारत के साथ भी अभ्यास करती है। हालाकि बंगलादेश में बदले हालातों के बीच चीन की नौसेना और बंगलादेश की नौसेना के बीच गठजोड़ की रिपोर्टों पर उन्होंने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। नौसेना दिवस चार दिसम्बर से पहले सोमवार को यहां वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि सरकार ने नौसेना के लिए दो और परमाणु पनडुब्बियों की मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि नौसेना आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से काम कर रही है और अभी 62 युद्धपोत तथा एक पनडुब्बी देश में ही बनायी जा रही है। एडमिरल त्रिपाठी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत पाकिस्तान की नौसेना की हैरान कर देने वाली मजबूती से अवगत है और रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि उसे अगले एक दशक में 50 प्लेटफार्म मिलने वाले हैं। उन्होंने कहा कि यह अफसोस की बात है कि पाकिस्तान ने लोगों के कल्याण की जगह हथियारों को चुना है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को शुभकामनाएं। नौसेना प्रमुख ने कहा कि चीन पाकिस्तान की नौसेना को मजबूत बनाना चाहता है और पाकिस्तान के कई युद्धपोत तथा पनडुब्बी या तो चीन में बन रहे हैं या उसकी मदद से बन रहे हैं। चीन की मदद से पाकिस्तान नौसेना के लिए आठ पनडुब्बी बनायी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना भी मजबूती हासिल कर रही है और भारत पड़ोसी देशों की सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि दक्षिण चीन सागर में भारत अपने हितों की रक्षा के लिए मुस्तैद है लेकिन दूसरे देशों के साथ जो होता आ रहा है उसमें कोई बदलाव नहीं आया है। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि समुद्र सभी के लिए खुला है और सभी उसमें गतिविधियों के लिए स्वतंत्र है लेकिन जहां तक हितों की सुरक्षा का मामला है हम उसके लिए सजग हैं और विशेष रूप से हिन्द महासागर में किसी भी तरह की गतिविधि भारतीय नौसेना की नजर से नहीं बच सकती। उन्होंने कहा कि चीन की एक पनडुब्बी पिछले वर्ष हिन्द महासागर क्षेत्र में दिखाई थी जिसके बाद वह कराची जाने के बाद वापस चली गयी। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि चीन विश्व शक्ति बनने की कोशिश में है। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि नौसेना के लिए फ्रांस से 26 मरीन राफेल लड़ाकू विमान की खरीद से संबंधित प्रक्रिया अंतिम चरण में है और इस सौदे को जल्दी ही केन्द्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति की मंजूरी मिलने वाली है। उन्होंने कहा कि यह सरकार से सरकार के बीच खरीद प्रक्रिया है इसलिए संभावना है कि इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने नौसेना के लिए दो और परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों की मंजूरी दे दी है। नौसेना की योजना उसके बेड़े में छह परमाणु पनडुब्बी शामिल करने की है। इसमें करीब एक दशक का समय लग सकता है। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि नौसेना तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ रही है। अभी देश में 62 युद्धपोत और एक पनडुब्बी निर्माणाधीन है। इसके अलावा 31 अत्याधुनिक युद्धपोतों और प्रोजेक्ट –75 की छह पनडुब्बियों को भी जरूरत के आधार पर मंजूरी दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा दो युद्धपोत रूस में बनाये जा रहे हैं।

राजस्व सेवा के अधिकारी देश की आर्थिक सीमाओं के संरक्षक : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राजस्व सेवा के अधिकारियों को देश की आर्थिक सीमाओं का संरक्षक करार देते हुए कहा कि उन्हें हमेशा ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करना होगा क्योंकि दूसरे देशों के साथ व्यापार को सुगम बनाने के समझौतों में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। श्रीमती मुर्मु ने सोमवार को यहां भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) के प्रशिक्षु अधिकारियों से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। राष्ट्रपति ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) हमारी अर्थव्यवस्था को एक समान कर प्रणाली और साझा प्रशासनिक मूल्यों के माध्यम से जोड़ती है। यह सेवा देश के कर प्रशासन में एकरूपता को बढ़ावा देती है। भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी सरकार, व्यापार और विभिन्न राज्यों के कर प्रशासन के बीच बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी हैं। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि विश्व में बदलते सामाजिक–आर्थिक परिदृश्य में राष्ट्रीय हित का एजेंडा काफी हद तक अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग से तय होता है। राजस्व सेवा के अधिकारी देश की आर्थिक सीमाओं के संरक्षक हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उन्हें हमेशा ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करना होगा। उनकी भूमिका दूसरे देशों के साथ व्यापार सुगम बनाने के समझौतों में भी महत्वपूर्ण होगी। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) देश को आर्थिक विकास और बुनियादी ढांचे के निर्माण, सामाजिक–आर्थिक योजनाओं के संचालन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने जैसे कार्यों के लिए संसाधनों का उपयोग करने में सक्षम बनाती है। यह कार्य राष्ट्र निर्माण में भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हैं। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि प्रशासक के रूप में अपनी भूमिका के निर्वहन के लिए, उन्हें ऐसी प्रणालियाँ और प्रक्रियाएँ विकसित करने की ज़रूरत है जो पारदर्शी हों और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करें। राष्ट्रपति ने कहा कि इस नए और गतिशील युग में कर संग्रह में कम हस्तक्षेप और प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

बीजेपी की वजह से दिल्ली में जंगलराज, खुलेआम घूम रहे गुंडे और अपराधी

केजरीवाल का केंद्र पर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पार्टी सांसद संजय सिंह, दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज और विधायक दुर्गेश पाठक के साथ, उस व्यक्ति के परिवार से मिले, जिसकी कल 1 दिसंबर को नारायणा इलाके में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। मुलाकात के बाद केजरीवाल ने कहा कि दुख की बात ये है कि 6 महीने पहले पीड़िता के छोटे भाई की हत्या कर दी गई थी। उस वक्त उनके परिवार ने पुलिस को लिखित में दिया था कि पूरे परिवार को इन लोगों से खतरा है और उन्हें सुरक्षा की जरूरत है। आप नेता ने बताया किजब मैं पीड़ित परिवार से मिलने गया तो स्थानीय लोगों ने बताया कि नारायणा इलाके में 5–7 युवक हैं, जिन्होंने वहां उत्पात मचा रखा है, लेकिन पुलिस कुछ नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि जब पीड़ित के भाई की हत्या हुई तो पुलिस ने कार्रवाई क्यों नहीं की? कल जब परिवार के सदस्यों ने विरोध किया तो पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया। यह कैसी कानून व्यवस्था है। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा ने दिल्ली को गुंडों, बदमाशों और बलात्कारियों के हाथों में दे दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा किआज पूरी दिल्ली में दहशत है लेकिन अमित शाह और उनकी दिल्ली पुलिस कोई एक्शन नहीं ले रहे। बीजेपी की वजह से दिल्ली में जंगलराज है और गुंडे व अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी में कानून–व्यवस्था के मुद्दों पर कथित निष्क्रियता के लिए भाजपा नीत केंद्र सरकार पर रविवार को निशाना साधते हुए दावा किया कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय 30 नवंबर को मालवीय नगर में उनकी पदयात्रा के दौरान उन पर हमला कराया गया। भाजपा ने अब तक आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझ पर फेंका गया तरल पदार्थ नुकसादायक नहीं था, लेकिन यह खतरनाक हो सकता था।

आमंत्रण

शहर समता विचार मंच,प्रयागराज

(शहर समता समाचार पत्र द्वारा संचालित)

शैल तनया स्मृति सम्मान समारोह एवं काव्यगोष्ठी

शैल तनया स्मृति सम्मान 2024

सम्मानित रचनाकार - डॉ गीता सिंह

अध्यक्षता - श्रीप्रकाश मिश्र
मुख्य अतिथि - प्रेमा राय
विशिष्ट अतिथि - डॉ ऊषा मिश्रा

बुद्धवार 4 दिसम्बर 2024 दिन में 1 बजे से
स्थान - गीता हॉस्पिटल, टैगोर टाऊन बिजली घर के पास स्थित पार्क के बगल निकट कुंदन गेस्ट हाउस टैगोर टाऊन,प्रयागराज

साहित्यिक संयोजक
रचना सक्सेना

संस्थापक /सचिव
उमेश श्रीवास्तव

ज्ञानवापी की रक्षा के लिए महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं ने औरंगजेब की सेना को किया था परास्त

प्रयागराज। सनातन धर्म के प्रतीक मठ–मंदिरों, तीर्थों को मुगल आक्रांताओं के हमले से बचाने के लिए महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं का शौर्य हमेशा याद रखा जाएगा। काशी में ज्ञानवापी की रक्षा के लिए वर्ष 1774 में महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं ने औरंगजेब की सेना और मनसबदारों के साथ युद्ध कर परास्त किया था। यही वजह है कि दशनामी संन्यासियों की परंपरा में महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं को वीर की उपाधि ा दी गई है। इस अखाड़े के नागा साहस और पराक्रम के लिए जाने जाते हैं। अटल और आवाहन अखाड़े के संतों ने मिलकर धर्म की रक्षा के लिए महानिर्वाणी अखाड़े के रूप में अस्त्र– शस्त्र संचालन में निपुण नागाओं की सेना 16वीं शताब्दी के अंत में तैयार की। बीएसएम स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुड़की के प्राचार्य रहे डॉ. रामचंद्र पुरी ने दशनाम नागा संन्यासियों पर किए अपने शोध में इसका उल्लेख किया है। लिखते हैं कि महानिर्वाणी अखाड़े की स्थापना 16वीं शताब्दी के अंत में बिहार के हजारीबाग स्थित गढ़कुंडा के मैदान में हुई थी। तब सिद्धेश्वर महादेव मंदिर के परिसर में काल भैरव और गणेश जी के छत्रों के ऊपर अखाड़े के गुरु कपिल महामुनि का छत्र रखते हए सनातन धर्म का ध्वज ऊंचा करने के लिए पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी की स्थापना की गई। उस समय महानिर्वाणी अखाड़े के आठ संस्थापक सदस्य अटल अखाड़े से जुड़े थे। इनके अलावा कुछ संतों का संबंध आवाहन अखाड़े से था। यानी अटल और आवाहन अखाड़े के तपस्वियों ने मिलकर सनातन संस्कृति के प्रतीकों को नष्ट करने वाली मुगलों की सेना से लड़ने के लिए आवाहन अखाड़ा बनाया। अखाड़े के सचिव श्रीमहंत यमुनापुरी बताते हैं कि मौजूदा समय महानिर्वाणी परंपरा के 10 हजार संन्यासी हैं। औरंगजेब के निर्देश पर उसकी सेना ने 1771 में गढ़कुंडा पर आक्रमण कर उसे अपने अधीन कर लिया। उसी समय औरंगजेब की सेना काशी में मठों–मंदिरों को तोड़कर वहां मस्जिदों का निर्माण करा रही थी। औरंगजेब के काशी में हमले की जानकारी मिलने के बाद महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं ने 1774 में उसकी सेना से भीषण युद्ध किया। दशनाम नागा संन्यासी एवं श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा नाम पुस्तक में महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं की ओर से लड़े गए ज्ञानवापी समेत तीन युद्धों का जिक्र है। इस पुस्तक में कहा गया है कि औरंगजेब ने 1974 में अपने सेनापति मिर्जा अली तुरंग खां और अब्दुल अली को विशाल सेना के साथ काशी के ज्ञानवापी और विश्वनाथ मंदिर पर आक्रमण के लिए भेजा। तब उनके साथ हिंदू मनसबदार राजा हरिदास केसरी और नरेंद्र दास भी थे। औरंगजेब की सेना के हमले के भय से काशी में हाहाकार मच गया। जिन हिंदू राजाओं से सनातन धर्म की रक्षा की आशा थी, वह भी आक्रमणकारियों से घिर कर भयभीत हो गए थे। ऐसे में महानिर्वाणी अखाड़े के हजारों सशस्त्र नागा संन्यासी रमण गिरि, लक्ष्मण गिरि मौनी, देश गिरि नक्खी महाराज के नेतृत्व में विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। तब नागा संन्यासियों की सेना ने औरंगजेब की ओर से भेजी गई राजा हरि दास केसरी और नरेंद्र दास की सेना को घेर लिया और अपने युद्ध कौशल से उनको परास्त कर वहां से भगा दिया था। इस युद्ध में काशी में नागाओं की सेना का नेतृत्व करने वाले हरिवंश पुरी और शंकर पुरी वीरगति को प्राप्त हो गए। महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत यमुना पुरी बताते हैं कि काशी में हरवंश पुरी और शंकर पुरी की समाधियों पर औरंगजेब के क्रूर सैनिकों से ध र्म की रक्षा करते हुए 1774 में प्राणोत्सर्ग करने का उल्लेख है। इसी तरह औरंगजेब के ही साथ 1777 में हरिद्वार तीर्थ की रक्षा के लिए युद्ध और पुष्कर राज तीर्थ की रक्षा के लिए मुसलमान गूजरों के साथ महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं के युद्ध का उल्लेख किया गया है। महाकुंभ में पेशवाई (अब छावनी प्रवेश) और धर्म ध्वजा की स्थापना की परंपरा की शुरुआत प्रयागराज में युद्ध कौशल में निपुण दशनामी नागा संन्यासियों की ही देन मानी जाती है। कहा जाता है कि औरंगजेब की सेना से युद्ध के बाद जब प्रयागराज के महाकुंभ में महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं ने प्रवेश किया था, तब उनके स्वागत में अस्त्र–शस्त्र, बाजे गाजे के साथ पेशवाई(छावनी प्रवेश) निकाली गई थी। महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रवींद्र पुरी बताते हैं कि जिस तरह किसी विशाल सैन्य संगठन के संचालन के लिए उसे विभिन्न चरणों में छोटी–बड़ी इकाई के रूप में बांटा जाता है, उसी तरह आवाहन अखाड़े की भी प्रशासनिक संरचना की गई है। कमान, एरिया, सब एरिया की तरह ही आम्नाय, पद, मढ़ी, दावा और धूनी का गठन किया गया है। दशनामी परंपरा के नागा संन्यासियों का आंतरिक प्रशासनिक ढांचा इसी रूप में काम करता है।

वजूखाना सर्वे मामले में सुनवाई टली, अब 10 दिसंबर को होगी सुनवाई

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में बनारस स्थित ज्ञानवापी परिसर में कथित वजूखाने के ेप सर्वे की मांग वाली याचिका पर सोमवार को सुनवाई नहीं हो सकी। ज्ञानवापी से संबंधित मामले में न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की कोर्ट लंच के बाद सुनवाई के लिए नहीं बैठी। सुनवाई की अगली तिथि 10 दिसंबर को दोपहर दो बजे नियत की गई है। याचिका में ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाना क्षेत्र की एएसआई सर्वे कराने की मांग की गई है। पिछली सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष के वकील सौरभ तिवारी की दलील दी थी कि कथित वजूखाना की एएसआई सर्वे से ही विवादित स्थल के धार्मिक चरित्र का निर्धारण सुनिश्चित होगा। वहीं मुस्लिम पक्ष की दलील है कि सुप्रीम कोर्ट ने यथास्थित बनाए रखने का आदेश दिया है। इसपर हिंदू पक्ष की दलील है कि सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ शिवलिंग के सर्वे पर रोक लगाई है न कि पूरे वजूखाना की। 22 अक्तूबर को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने हिंदू पक्ष से कहा था कि स्पष्ट करिए कि किस भाग का व कितने क्षेत्र का सर्वे चाहते हैं। इस पर हिंदू पक्ष ने ई फाइलिंग के माध यम से महत्वपूर्ण तस्वीर, कागजात शपथपत्र के साथ न्यायालय में दाखिल किया। साथ ही सभी पक्षकारों को शपथपत्र की प्रति उपलब्ध कराई गई है।

पीएम के आगमन से पहले सीएम व पीएमओ की टीम परखेंगी तैयारियां, भूमि आवंटन बना गले की फांस

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन (13 दिसंबर) से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सात दिसंबर को महाकुंभ की तैयारियों का एकबार फिर जायजा लेंगे। इसके बाद पीएमओ की टीम भी प्रयागराज पहुंचेगी। इसे लेकर महाकुंभ के कार्यों को रफ्तार देने में विभाग और मेला प्रशासन जुटे हुए हैं। दूसरी ओर जमीन आवंटन को लेकर चल रहा विवाद मेला प्रशासन के गले की फांस बन रहा है। प्रधानमंत्री के प्रयागराज आगमन की तिथि के साथ ही महाकुंभ के कार्यों की रफ्तार तेज होती जा रही है। लोनिवि, पीडीए, सिंचाई, नगर निगम, बिजली और जलनिगम सहित अन्य विभागों के कार्य धीरे–धीरे रफ्तार पकड़ने लगे हैं। 13 दिसंबर से पहले सभी कार्यों को पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए शासन और विभागीय उच्चाधिकारियों की ओर से मानीटरिंग की जा रही है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं तैयारियों पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं। यही कारण है कि लगातार महाकुंभ के कार्यों को निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। अब पीएम के आगमन से पहले सात जनवरी को एकबार फिर मुख्यमंत्री के प्रयागराज पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें वो महाकुंभ के कार्यों का निरीक्षण कर पीएम के आगमन की तैयारियों को भी अंतिम रूप देंगे। इसके बाद पीएमओ की टीम भी महाकुंभ के कार्यों और तैयारियों का जायजा लेने के लिए प्रयागराज पहुंचेगी। विदित हो कि इससे पहले भी पीएमओ की टीम सीनियर आईएएस अफसर मंगेश घिल्डियाल के नेतृत्व में तीन दिन तक प्रयागराज में रहकर महाकुंभ के कार्यों का जायजा ले चुकी है। अब एकबार फिर प्रधानमंत्री के आगमन से पहले तीन प्रयागराज पहुंचकर तैयारियों को परखेगी और स्थानीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देगी। दूसरी ओर महाकुंभ में भूमि आवंटन का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अखाड़ों के बाद अब सतुआ बाबा के नेतृत्व में खाक चौक के साध ु संत आंदोलनरत हैं। उन्होंने मेला प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांग पूरी नहीं की गई तो खाक चौक के साधु संत मेले में नहीं आएंगे। 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयागराज आगमन से पूर्व महाकुंभ–2025 की तैयारियों को पूरा करने के लिए पीडब्ल्यूडी ने रफ्तार बढ़ा दी है। पांटून पुलों के साथ सड़कों के रेनोवेशन के काम में भी तेजी आई है। अब तक पीडब्ल्यूडी की ओर से 27 मार्गों का मरम्मतीकरण किया जा चुका है, जबकि बाकी का काम 10 दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी तरह 17 मार्गों के सौंदर्यीकरण का कार्य पांच दिसंबर तक पूरा होने की संभावना है। पीडब्ल्यूडी के पास कुल 89 परियोजनाएं हैं, ।

आर्मी पब्लिक स्कूल ओल्ड कैंट प्रयागराज ने मनाया वार्षिकोत्सव

प्रयागराज । शहर के प्रतिष्ठित स्कूल आर्मी पब्लिक स्कूल में वार्षिक उत्सव मनाया गया किसका शीर्षक श्रसदर्पणश, जीवन के विविध पहलुओं पर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किये रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेजर जनरल सुनील श्योराण, सेना मैडल '', जी ओ सी ४ इन्फैंट्री डिवीजन एवं विद्यालय के चेयरमैन ब्रिगेडियर नवाब अली खान, सेना मैडल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। जीवन के आरम्भ को जहाँ करुण एवं वात्सल्य रस से दिखाया गया वहीं कार्यक्रम का अंत शांत एवं भक्ति रस से किया गया। विघ्यार्थी अपने अभिभावकों के संग उत्साह में दिखे। प्रध ाानाचार्या श्रीमती नीरजा अशोक जी ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा की सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारे जीवन को नई चेतना, उत्साह, ऊर्जा देने के साथ साथ जीवन को रसमय करते हैं अतः हमें अपने जीवन को प्रेमरुपी रस के साथ ही जीना चाहिए।

दावत में जा रहे पूर्व प्रधान और उनकी पत्नी की सड़क हादसे में मौत, नातिन गंभीर रूप से घायल

नैनी प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र के छरिबना पुरवा खास गांव में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार पूर्व प्रध ान और उनकी पत्नी की मौत हो गई। हादसे में नातिन गंभीर रूप से घायल हो गई। उसको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी होते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की खोजबीन कर रही है।

पुरवा खास के पूर्व प्रधान रईस अहमद (65) अपनी पत्नी अंजुमन (60) और नातिन इल्मा के साथ बाइक पर सवार होकर इलाके के सड़वा गांव में आयोजित दावत में हिस्सा लेने के लिए जा रहे थे। सोमवार को दोपहर करीब ढाई बजे गांव के पास ही रामपुर मार्ग पर छरिबना मजरे में तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में पूर्व प्रधान और उनकी पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। नातिन दूर जा गिरी। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल लड़की को अस्पताल भेजवाया। पूर्व प्रधान और उनकी पत्नी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी होते ही ग्रामीण जुट गए। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की खोजबीन में जुटी है।

बड़ी बहन की डांट से क्षुब्ध कक्षा नौ के छात्र ने नदी में लगाई छलांग, एक घंटे बाद मिला शव

प्रयागराज। करछना थाना क्षेत्र के कटका गांव में एक किशोर ने पुल से टोंस नदी में छलांग लगा दी। यह देखकर रास्ते से गुजर रहे लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने घाट पर मौजूद नाविकों की मदद से खोजबीन शुरू की। काफी देर बाद छात्र का शव बरामद किया गया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। कटका गांव निवासी लल्लूराम विश्वकर्मा का 14 वर्षीय बेटा सोनू विश्वकर्मा कक्षा नौ का छात्र था। सोमवार सुबह सो कर उठने के बाद वह विद्यालय जाने की तैयारी करने के बजाय टीवी देख रहा था। कई बार बुलाने के बावजूद भी वह टीवी बंद नहीं कर रहा था। जिसके बाद बड़ी बहन रोशनी विश्वकर्मा ने टीवी बंद कर उसे डांट दिया। इससे गुस्सा होकर वह घर से निकल गया और गांव के पास में स्थित पुल पर से नदी में छलांग लगा दी। किशोर को नदी में कूदते देख मार्ग से गुजर रहे राहगीरों की भीड़ जुट गई। नाविकों के पहुंचने से पहले वह पानी में समा चुका था। ग्राम प्रधान पवन निषाद कई लोगों के साथ मौके पर पहुंचे। फोन से पुलिस प्रशासन को जानकारी देते हुए पानी में जाल और कटिया डालकर खोजबीन करना शुरू कर दिया। लगभग एक घंटे बाद पानी में डूबे किशोर को बरामद कर लिया गया। लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं।

सूचना पर मृतक किशोर के घर वाले मौके पर पहुंचे और सोनू को देखकर बिलखने लगे। चौकी प्रभारी भीरपुर अमित कुमार सिंह ने लिखा पढ़ी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लल्लू राम विश्वकर्मा मजदूरी का काम करते हैं। तीन बेटा व दो बेटियों में सोनू विश्वकर्मा तीसरे नंबर का लड़का था।

एप के माध्यम से ई रिक्शा व ऑटो बुक कर सकेंगे श्रद्धालु, चलेगी पिंक टैक्सी, महिलाएं होंगी ड्राइवर

प्रयागराज। महाकुंभ मेला 2025 में आने वाले श्रद्धालुओं की सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा के लिए योगी सरकार कटिबद्ध है। सरकार के इस प्रयास को सार्थक बनाने के लिए तमाम प्रयास किए जा रहे हैं जिसमें सरकारी परिवहन के साथ–साथ निजी परिवहन सेवा प्रदाता भी पूरी तरह सहयोग कर रहे हैं। महाकुंभ के लिए प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर लोकल ट्रांसपोर्ट की सुविधा देने के लिए ओला और उबर की तर्ज पर एप के माध्यम से ऑनलाइन ई रिक्शा और ई ऑटो बुकिंग की सुविधा का भी लाभ मिलने जा रहा है। इन ई व्हीकल्स के ड्राइवर्स पूरी तरह प्रशिक्षित और व्यवहार कुशल होंगे। साथ ही इसमें पिंक टैक्सी की भी सुविधा प्राप्त होगी, जिसमें महिलाएं चालक होंगी। सबसे खास बात कि श्रद्धालुओं को मनमाना किराया वसूलने वाले रिक्शा चालकों से छुटकारा मिलेगा। 15 दिसंबर से श्रद्धालु और पर्यटक इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। महाकुंभ से पहले इस तरह की पहल से श्रद्धालुओं को न सिर्फ सुविधाजनक और सस्ती लोकल राइड का लाभ मिलेगा, बल्कि योगी सरकार के ग्रीन महाकुम्भ की अवधारणा को भी समर्थन मिलेगा। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। सरकार की ओर से इन श्रद्धालुओं को प्रयागराज लाने के लिए 7000 से अधिक रोडवेज बसों और 550 शटल बसों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जबकि रेलवे भी करीब 1000 अतिरिक्त ट्रेनों के साथ ही कुल तीन हजार ट्रेनें चलाने जा रहा है। इसी क्रम में प्रयागराज में श्रद्धालुओं को लोकल ट्रांसपोर्ट की कमी न हो, इसके लिए यूपी के स्टार्टअप कॉम्फी ई मोबिलिटी ने ऑनलाइन ई रिक्शा और ई ऑटो बुकिंग की सुविधा प्रदान करने का निर्णय लिया है। 15 दिसंबर से शुरू हो रही इस सेवा में श्रद्धालु लोकल राइड के लिए ई व्हीकल्स को चुन सकेंगे। खास बात ये है कि सभी ड्राइवरों को अगंतुकों से अच्छा व्यवहार करने की ट्रेनिंग दी जाएगी और जिन श्रद्धालुओ को हिंदी या अंग्रेजी भाषा में दिक्कत है, उनकी सुविधा के लिए सभी ड्राइवरों को गूगल वॉइस असिस्टेंस की ट्रेनिंग भी दी जा रही है। यह ई व्हीकल्स रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, हवाई अड्डा एवं सभी होटलों से आराम से उपलब्ध ा हो सकेंगे। इसमें महिला ड्राइवर के साथ पिंक सेवा का भी प्रावधान है। शुरुआत में 30–40 पिंक टैक्सी सुविधा प्रदान करने के लिए अवेलबल होंगी। कॉम्फी ई मोबिलिटी की फाउंडर और डायरेक्टर मनु गुप्ता ने बताया कि महाकुंभ मेले में देश और विदेश के कोने–कोने से आने वाले श्रद्धालुओं को एक सुविधाजनक, सुरक्षित एवं पर्यावरण हितैषी एप आधारित ई रिक्शा टैक्सी सेवा प्रदान की जाएगी। महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को सुविधा देने के साथ ही सस्ती राइड उपलब्ध कराने के लिए किसी भी ड्राइवर से कमीशन नहीं लिया जाएगा। सुरक्षित राइड के लिए प्रत्येक ड्राइवर और व्हीकल के ओनर का वेरिफिकेशन कराया गया है। 300 ई रिक्शा के साथ पूरे प्रयागराज एवं कुंभ मेला में इसकी शुरुआत की जा रही है। सभी ड्राइवर्स को आगंतुकों के साथ अच्छे व्यवहार की ट्रेनिंग दी जा रही है। सभी ई रिक्शा और ऑटो जीपीआरएस सिस्टम से ट्रैक किए जाएंगे, जबकि यह पूरी तरह फिट और कवर्ड भी होंगे। इसका किराया पूरी तरह ट्रांसपेरेंट होगा, जो प्रति किमी. के हिसाब से निर्धारित किया गया है। इससे ज्यादा किराया वसूलने वाले रिक्शा चालकों से भी मुक्ति मिलेगी। किसी भी तरह की असुविधा होने पर श्रद्धालु कॉल सेंटर पर शिकायत भी कर सकेंगे। सीईओ आरके चौहान ने बताया कि कॉम्फी ई मोबिलिटी स्टार्टअप इंडिया से मान्यता प्राप्त है। हमारा उद्देश्य अर्बन ट्रांसपोर्ट के क्षेत्र में पर्यावरण के अनुकूल इलेक्ट्रिक वाहनों को टैक्सी के रूप में प्रस्तुत कर वायु प्रदूषण को कम करना और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना है। प्रयागराज में होने जा रहे महाकुंभ से इसकी शुरुआत की जा रही है, ताकि इस महापर्व को लोगों के लिए एक यादगार अनुभव बनाया जा सके। महाकुंभ 2025 में पूरे विश्व से सनातनियों के अलावा विभिन्न समुदाय के लोग हिंदू धर्म के सबसे बड़े अनुष्ठान को देखने और समझने के लिए प्रयागराज आएंगे।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत, चालक बस छोड़कर भागा

प्रयागराज। बस की टक्कर से दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फाफामऊ क्षेत्र के मोरहूं गांव का मिथिलेश उर्फ कल्लू यादव (40) पुत्र भोला

यादव ठेले पर अंडा लगाकर अपने परिवार का गुजर बसर करता था। वह सोमवार को अपने साथी गद्दोपुर निवासी लालचंद्र (38) पुत्र रामनाथ के साथ घर से बीबीएस इंजीनियरिंग कॉलेज की ओर जा रहा था। शहर की ओर जा रही रोडवेज बस ने बाइक में टक्कर मार दिया। जिससे दोनों छिटककर सड़क पर जा गिरे। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंच गई। मिथिलेश यादव की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल लालचंद्र को फाफामऊ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से उसे एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया। एसआरएन ले जाते समय रास्ते में ही उसकी भी सांसें थम गईं। मौत की सूचना से दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। मिथिलेश तीन भाईयों में सबसे छोटा था। मिथिलेश की पत्नी आरती देवी और सभी छह बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल हो रहा है। लालचंद्र तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। सूचना पाकर लालचंद्र के भाई सुंदरलाल और दीपचंद्र भी मौके पर पहुंच गए। चालक बस छोड़कर फरार हो गया। बस पर बैठे यात्री अपने साधन से गंतव्य की ओर रवाना हुए।

लंबित जांच के दौरान कर्मचारी को निलंबित करना मनमाना रवैया, कोर्ट ने लगाई अंतरिम रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि लंबित जांच के दौरान किसी भी कर्मचारी को निलंबित करना न्यायिक सिद्धांतों के खिलाफ व मनमाना रवैया है। कोर्ट ने यह टिप्पणी कर मेरठ के विद्युत नगरीय वितरण उपखंड गंगानगर के एसडीओ के निलंबन पर अंतरिम रोक लगा दी है। साथ ही नियमित वेतन भुगतान करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने एसडीओ दिनेश कुमार मौर्य की याचिका पर दिया। याची का कहना था कि वह सब–स्टेशन से अनुपस्थित था। इससे जला ट्रांसफॉर्मर बदलने में देरी हुई और जून 2024 में बिजली आपूर्ति बाधित हुई। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के आदेश से उसे निलंबित कर दिया गया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। याची के अधिवक्ता प्राणेश कुमार मिश्रा ने दलील दी कि ट्रांसफॉर्मर जलने के बाद आपूर्ति बस कपलर के माध्यम से सुनिश्चित कर दी गई थी। प्राइवेट फर्म की ओर से ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध होते ही उसे लगा दिया गया था। बिजली आपूर्ति प्रभावित नहीं हुई। न्यायालय ने कहा कि प्रथम दृ ष्टया आरोप लापरवाही का है। यह इतना गंभीर मामला नहीं है कि बड़ी कार्रवाई कर कर्मचारी को निलंबित कर दिया जाए। न्यायालय ने निलंबन आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। रजिस्ट्रार (अनुपालन) को मेरठ के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के माध्यम से पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को सूचित करने का निर्देश दिया।

जबलपुर, चंडीगढ़, जयपुर, कोलकाता, गुवाहाटी और देहरादून की शुरू होगी उड़ान

प्रयागराज। प्रयागराज से जबलपुर, चंडीगढ़, जयपुर, कोलकाता, गुवाहाटी, भुवनेश्वर और देहरादून के लिए सीधी उड़ान शुरू होगी। इन शहरों के लिए सीधी विमान सेवा का संचालन विमानन कंपनी एलाइंस एयर की ओर से किया जा रहा है। एलाइंस एयर ने इसका प्रस्ताव नागर विमानन निदेशालय (डीजीसीए) को भेजा है। डीजीसीए से स्वीकृति मिलने के बाद इन शहरों के लिए

विमान सेवा शुरू हो जाएगी। महाकुंभ को लेकर एलाइंस एयर ने इन शहरों के लिए सीधी उड़ान शुरू करने की कवायद शुरू की थी। प्रयागराज एयरपोर्ट प्रशासन ने भी इन विमानों के संचालन की अनुमति दे दी है। इसके बाद एलाइंस एयर ने इन विमानों के फाइनल एप्रूवल के लिए डीजीसीए को पत्र भेजा है। महाकुंभ को देखते हुए उम्मीद जताई जा रही है कि डीजीसीए इन शहरों के लिए सीधी विमान सेवा शुरू करने की अनुमति जल्द दे सकता है। बताया जा रहा है कि इसमें से कुछ विमान संबंधित शहरों से उड़ान भरकर प्रयागराज एवं उसके बाद दिल्ली के लिए रवाना होंगे। इसमें से प्रयागराज–कोलकाता उड़ान सप्ताह में तीन दिन एवं बाकी अन्य शहरों के लिए सप्ताह में एक दिन ही उड़ान उपलब्ध होगी। बता दें वर्तमान समय प्रयागराज से दिल्ली, मुंबई, भुवनेश्वर, रायपुर, लखनऊ, हैदराबाद, बंगलूरू के लिए सीधी उड़ान संचालित है।

जारी किया गया कोहरे का अलर्ट, लोगों को और सताएगी सर्दी

प्रयागराज। इस हफ्ते सर्दी और सितम ढाने वाली है। सुबह और शाम वाली सर्दी इस हफ्ते से दिन में भी लोगों को सताएगी। मौसम विभाग ने सोमवार और मंगलवार को कोहरे के अलर्ट भी जारी किया गया है। विभाग के मुताबिक देर रात से सुबह सात बजे तक कोहरा पड़ने की संभावना है। वहीं, सोमवार को दिन में निकली धूप ने राहत दी, लेकिन शाम होते–होते लोगों को ठंड का एहसास होने लगा। यहां दिन का अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 11.3 डिग्री रहा। मौसम के जानकारों का कहना है कि कोहरे की वजह अधिकतम व न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी। पिछले हफ्ते मौसम में काफी उतार चढ़ाव देखने को मिला। इस वजह से अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। वहीं, दिसंबर के पहले दिन ही अधिकतम व न्यूनतम तापमान में गिरावट आई। मौसम विभाग ने पूरे हफ्ते कोहरे की संभावना व्यक्त की है। सोमवार को सर्दी बढ़ने की संभावना है। न्यूनतम व अधिकतम तापमान में गिरावट आएगी। सुबह कोहरा पड़ने की संभावना है। दिन में हल्की धूप निकलेगी।

'संस्कृत भारती विश्वनाथ जिला का वार्षिक साधारण सभा आयोजित'

'सभा में नई समिति का गठन की गई'

विश्वनाथ ,। विश्वनाथ चारिआलि शहर के पुलिस चौराहे पर स्थित शांति निवास भवन के सभागार में कल (रविवार) प्रातः 11रू00 बजे संस्कृत भारती का वार्षिक सभा का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता विश्वनाथ जिला समिति के अध्यक्ष लोकनाथ शास्त्री जी ने किया। इस मौके पर संस्कृत भारती के परामर्शदाता एवं समाजसेवी प्रभुनाथ सिंह, मुख्य अतिथि तथा निरीक्षक के रूप में संस्कृत भारती के पूर्वोत्तर भारत के संगठन मंत्री मोहन कण्णन, संस्कृतभारती विश्वनाथ जिला शाखा का पूर्व अध्यक्ष नारद उपाध्याय ,संस्कृत भारती उत्तर पूर्वांचल के सह मन्त्री राजेन आचार्य आदि संस्कृत विद्वान उपस्थित थे। विशेष अतिथियों को मंचासीन कराया गया। इसके बाद अतिथियों को फुलाम गामोछा से स्वागत किया गया। इसके बाद जिला सचिव डॉ० दिपेन भराली ने उद्देश्य व्याख्या की। इसके बाद सचिव ने अध्यक्ष के आदेश अनुसार पूर्व में किए गए कार्यविवरण का प्रतिवेदन पाठ किया। इसके बाद प्रतिवेदन को सभा में गृहित किया गया। तत्पश्चात पुरानी समिति को भंग कर नई समिति की गठन किया गया।जिला समिति गठन के पूर्व समारदलनी, विश्वनाथ नगर समिति, गहपुर समिति, गमिरि और छयदुवार समिति का भी आज के सभा में गठित किया गया।विश्वनाथ नगर शाखा के अध्यक्ष सुशिल दास ,उपाध्यक्ष महेंद्र प्रताप गुप्ता, सचिव विनोद गुप्ता को प्रदान क्रिया गया है।इसके बाद विश्वनाथ–जिला–शाखा के अध्यक्ष हितेश्वर दास तथा सचिवध्मन्त्री नारायण अधिकारी के साथ मे १२ लोगों के नया समिति निर्माण कियाध्। उपस्थित संस्कृत प्रेमी व्यक्तियों ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा के ऊपर काम करने पर बल दिया। सभाध्यक्ष लोकनाथ शास्त्री ने सभी का आभार जताते हुए सभी नई समिति के पदाधिकारीगण को शुभकामानाएं दी और संस्कृत को जन–जन तक पहुँचाने की अपील की।सभाध्यक्ष और मंचासीन अतिथियों ने नई जिला समिति के अध्यक्ष को दस्तावेज सहित फाइल अर्पण की। कल्याण मंत्र और भारत माता की जयघोष के साथ गरिमामय सभा भंग की गई।सभा में संस्कृत प्रेमी तथा विश्वनाथ महाविद्यालय के अध्यापक तारा महंत,सेवानिवृत्त मैजिस्ट्रेट (दंडाधीश) हितेश्वर दास , शिक्षक संतोष कुमार महतो , सेवानिवृत्त अध्यक्ष कमला उपाध्याय, तरूणचन्द भट्टाचार्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के अध्यक्ष नयनज्योति खाउंड और प्रायरू ४० संस्कृत अनुरागी उपस्थित था।

डॉ0 अरुण कुमार की पुस्तक का हुआ लोकार्पण

प्रयागराज सइलाहाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन के तत्वाधान में डॉ अरुण कुमार की पुस्तक श्द डिसिप्लिन ऑफ बिजनेसश का लोकार्पण समारोह सिविल लाइंस स्थित कार्यालय में संपन्न हुआ। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कॉमर्स एंड बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत डॉ अरुण कुमार ने व्यवसाय एवं अनुशासन विषय पर वार्ता प्रस्तुत करते हुए कहा कि महर्षि पतंजलि के अष्टांग योग मैं दिए गए सूत्रों का अनुपालन करके हम किसी भी व्यवसाय में सफल हो सकते हैं। यह आठ सूत्र हैं–यम, नियम आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान एवं समाधि। किसी भी व्यवसाय में सफलता के लिए अनुशासन सबसे महत्वपूर्ण होता है। हमें समझना होगा कि किस तरह से शोर को हम संगीत का रूप दे सकते हैं जंगल को बगीचे का पत्थर से हम किस तरह मूर्ति कर सकते हैं मृदा से किस तरह हम बर्तन बना सकते हैं। हमें निर्धारित नियमों का पालन करना होगा। व्यवसाय से जुड़े हुए किसी भी व्यक्ति को यदि हम नुकसान पहुंचाते हैं तो हमारा व्यवसाय सफल नहीं हो पाएगा। डॉ अरुण कुमार जी ने कहा कि हमारे हमारी इस पुस्तक की मूल धारणा अष्टांग योग की व्याख्या है जिसके अनुसार एक दूसरे के सहयोग से ही कोई व्यवसाय चलता है और सफल होता है। हमारे व्यवसाय की सफलता के लिए शुद्धता, संतुष्टि, अनुशासन और स्वाध्याय भी जरूरी है। हमें नवीनतम जानकारी लेते रहना चाहिए।

कार्यक्रम की आरम्भ में इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष ओपी गर्ग ने अतिथियों का स्वागत किया। पूर्व अध्यक्ष रवि प्रकाश ने अतिथि वक्ता का परिचय दिया और धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष एवं पी.आर.ओ. डॉ शान्ति चौधरी ने किया। कार्यक्रम में जीके खरे, राजीव माहेश्वरी, डीयू गुप्ता,डॉ. आशुतोष चौधरी और रत्नेश दीक्षित समेत अन्य एएमए के सदस्य शामिल थे।

वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं पर विचार,डीएम, एसपी, मेडिकल आफीसर को ज्ञापन देंगे

मिर्जापुर।वरिष्ठ नागरिक संरक्षण संस्थान के कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक संस्था के अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में रविवार को सम्पन्न हुई स सभा का संचालन संस्था के सचिव महेश चंद यादव द्वारा किया गया स बैठक में वरिष्ठ नागरिक की समस्याओं एवं कठिनाइयों को दूर करने पर विचार विमर्श के दौरान हॉस्पिटल , रेलवे , थाना , समाज कल्याण विभाग, न्याय विभाग तथा अन्य विभागों से संबंधित पर सभा में शामिल सदस्यों में सर्वश्री सुरेश कुमार त्रिपाठ,

महेश चंद यादव, सरदार भूपेंद्र सिंह डंग, लालब्रत सिंह, राज कुमार टंडन, रतन कुमार टंडन,केदार नाथ सविता , आनंद कुमार मिश्र, अमरनाथ सिंह, प्रेम नारायण तिवारी इत्यादि सभी उपस्थित सदस्यों द्वारा गहन विचार विमर्श किया गया और निर्णय लिया गया कि उक्त सभी विभागों को सूचित करने के लिए जनपद मिर्जापुर के जिलाधिकारी महोदया एवं पुलिस अधीक्षक तथा चीफ मेडिकल ऑफिसर को ज्ञापन दिया जाय और व्यक्तिगत मिलकरके समस्याओं से अवगत कराया जाए और निराकरण हेतु कहा जाय सयह जानकारीसचिव महेश चंद यादव ने दी है।

अम्बिका प्रसाद दिव्य एवं किंजल्क स्मृति सम्मान समारोह का भव्य आयोजन संपन्न

देश के 25 प्रसिद्ध साहित्यकारों का हुआ सम्मान ।

प्रयागराज । एक दिसंबर 2024 को प्रयागराज दूरदर्शन के डायरेक्टर श्री श्याम विद्यार्थी जी की अध्यक्षता में इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन में अम्बिका प्रसाद एवं किंजल्क की स्मृति सम्मान समिति की ओर से सम्मान समारोह सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री स्वामी नित्यानंद, विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वामी प्रेमानंद गिरी (पठानकोट), वक्ता के रूप में आचार्य श्री संजीव वर्मा सलिल

(जबलपुर), एवं डॉ प्रदीप चित्रांशी प्रयागराज एवं वरिष्ठ साहित्यकार विमला व्यास प्रयागराज ने समीक्षक के तौर पर कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम तीन सत्रों में संपन्न हुआ जिसके प्रथम चरण में देशभर से आए सभी वरिष्ठ साहित्यकारों ने श्री अंबिका प्रसाद दिव्य और श्री जगदीश किंजल्क को याद करते हुए अपने विचार व्यक्त किये, कार्यक्रम के द्वितीय चरण में सम्मान समारोह एवं पुस्तकों का लोकार्पण किया गया तत्पश्चात अंतिम चरण में प्रयागराज के साहित्यकारों द्वारा कवि गोष्ठी का आयोजन हुआ। संस्था की संस्थापक श्रीमती विजयलक्ष्मी विभा ने बताया कि दिव्य जी के सुपुत्र श्री जगदीश किंजल्क ने अपने पिता श्री अम्बिका प्रसाद दिव्य की स्मृति में इस संस्था की नींव 16 मार्च 1996 में रखी थी। पिछले 25 वर्षों तक लगातार जगदीश किंजल्क जी ने इस संस्था के द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया और किंजल्क के जी द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्तर की संस्था द्वारा अब तक 600 से अधिक साहित्यकारों के सम्मान किया जा चुका है। कार्यक्रम के प्रारम्भ में दिव्य जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की झलकियां और पटकथा इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से पर्दे पर दिखाई गईं। जो पूरे कार्यक्रम में आकर्षण का केन्द्र रहीं। इसी क्रम में विजयलक्ष्मी विभा के द्वारा भाई जगदीश किंजल्क पर निकाली गई स्मारिका का लोकार्पण हुआ । के साथ – साथ अपनी दो पुस्तकों ष्आत्मजाष् खंडकाव्य एवं ष्अपनी–अपनी भूलष् का भी लोकार्पण कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये इलाहाबाद दूरदर्शन के पूर्व वरिष्ठ केन्द्र निदेशक एवं सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्री श्याम विद्यार्थी ने कहा, षकि इस कार्यक्रम की अध्यक्षता का दायित्व मुझे सौंपा गया पर इस कार्यक्रम की अध्यक्षता तो स्वयं भगवान श्री कृष्ण कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कार्यक्रम के संस्थापक श्रीमती विजयलक्ष्मी विभा एवं संयोजक श्री अनमोल खरे की प्रशंसा की और अपने आशीर्वचन दिए। काव्य पाठ के दौरान श्री जगदीश किंजल्क के सुपुत्र श्री अद्वैत खरे ने कविता के माध्यम से अपने पिता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कविता पाठ किया, जिससे पूरा सभागार भाव विभोर हो गया। डॉ०प्रदीप चित्रांशी – गंभीर चिंतन के धनी जगदीश किंजल्क अपने पिता से साहित्यानुशासन को गहराई से आत्मसात करने के बाद उनके आदर्शों पर चलते हुए उन्होंने अपने लेख ,कहानी एवं परिचर्चाएँ या कूँचियों के द्वारा शब्द चित्र का मकसद मात्र मनोरंजन करना नहीं,बल्कि ज्ञान के प्रकाश का उजियारा घर–घर तक पहुँचाना है ,इसीलिए आज भी उनका साहित्य जीवन्त है। डॉ विमला व्यास – जिस तरह अक्षर का क्षरण नहीं होता उसी तरह इन अक्षरों से निर्मित साहित्य भी कभी मरता नहीं, वो कालजयी होता है! उसी तरह साहित्य के सृजनकर्ता भी अपनी लेखनी के माध्यम से सदैव जीवित रहते हैं! श्रद्धेय जगदीश किंजल्क जी भी अपने द्वारा रचित साहित्य में हमें दिखाई देते हैं, सुनाई देते हैं, आज भी वह चर्चा और परिचर्चा में हैं! अनवर अब्बास नकवी – साहित्यिक गुरु एवं पिता की छाँव में साहित्य की आत्मा से संवाद करने वाले जगदीश किंजल्क लेख,कहानी तथा साहित्यिक या सामाजिक परिचर्चा में समाज की समस्याओं पर खुलकर चर्चा करते थे क्योंकि उनका मानना था कि साहित्य लड़खड़ाते हुओं को सँभालने का काम करता है,चाहे वह इन्सान की अपनी लड़खड़ाहट हो या समाज की,यह साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम के संयोजक श्री अनमोल खरे ने सभी साहित्य प्रेमियों को धन्यवाद करते हुए यह आश्वासन दिया कि यह संस्था प्रतिवर्ष सम्मान समारोह आयोजित करती रहेगी और प्रगतिशील रहते हुए साहित्यकारों को मंच प्रदान करती रहेगी।

भयहरणनाथ धाम में वार्षिक अधिवेशन 5 दिसम्बर को बनेगी वार्षिक कार्य योजना/ जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से तय होगी समाज की जिम्मेदारी

रविवार को महासचिव समाज शेखर ने भ्रमण कर सभी सदस्यो से की सहभागिता की अपील

प्रतापगढ़ सप्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में गत वर्षों की भांति विश्व स्वयं सेवक दिवस के अवसर पर वार्षिक अधिवेशन का आयोजन होगा। दो सत्रों में आयोजित होने वाले इस अधिवेशन में वार्षिक कार्ययोजना के साथ साथ आगामी 25 वें भयहरणनाथ महाकाल महोत्सव व महाशिवरात्रि के आयोजनों की

रूपरेखा को अन्तिम रूप दिया जायेगा। धाम के प्रशासनिक कार्यालय के पुनरोद्धार के सामाजिक योजना के प्रगति की समीक्षा करके योजना को जनसहयोग तथा लोकभागीदारी से गति प्रदान की जायेगी। धाम के महासचिव सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने रविवार को क्षेत्र भ्रमण कर सभी संरक्षक गणों, प्रबन्ध समिति सदस्यों तथा साधारणसभा व मन्दिर व मेला व्यवस्था समिति के सदस्यों को पत्र जारी कर भागीदारी की अपील की है। धाम के अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल तथा कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह के संयोजन होगा। उपाध्यक्ष वित्ता एवं लेखा राजीव मिश्र व कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र तथा मन्दिर समिति के सचिव सच्चिदानन्द पाण्डेय व मेला समिति के सचिव अनिल मिश्र को समंन्वयन की जिम्मेदारी दी गई है। रविवार को महासचिव समाज शेखर ने प्रमुख पदाधिकारियो के साथ भ्रमण कर 5 दिसंबर दिन बृहस्पतिवार को दोपहर 12 बजे सभी सदस्यो से सहभागिता की अपील की है।

'शब्द सृजन संस्थान(पंजी.)द्वारा वृन्दावन साहित्य महोत्सव का आयोजन'

सीमा वर्णिका को वृन्दावन साहित्य सम्मान से विभूषित किया जायेगा–

कानपुर सअंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी साहित्य के लिये समर्पित संस्था शब्द सृजन संस्थान(पंजी.) द्वारा 8 दिसम्बर को वृन्दावन साहित्य महोत्सव का आयोजन वृन्दावन शोध संस्थान में होगा जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के लगभग 50 कवि कवयित्री प्रतिभाग करेंगे। संस्था के अध्यक्ष डॉ राजीव कुमार पाण्डेय ने बताया कि शब्द सृजन संस्थान प्रति वर्ष देश मे बड़े आयोजन करता है जिसमें देश विदेश के साहित्यकार सम्मलित होते हैं।

इसी श्रृंखला में इस बार यह आयोजन 8 दिसम्बर को वृन्दावन साहित्य महोत्सव वृन्दावन के वृन्दावन शोध संस्थान के विशाल आडिटोरियम में किया जायेगा।

इस आयोजन में देश के विभिन्न प्रांतों के लगभग 50 कवियों की सहमति आ चुकी है। साहित्य के इस आयोजन में प्रतिभाग करने वाले साहित्यकारों की लगभग 1 दर्जन किताबों का विमोचन होगा। साहित्यकारों द्वारा देश भक्ति, आध्यात्म, ओज ,श्रृंगार और हास्य की अविरल धारा प्रवाहित होगी इस आयोजन में।

डॉ राजीव कुमार पाण्डेय ने बताया इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले ' सीमा वर्णिका, कानपुर' को साहित्यिक सेवाओं के लिये 'वृन्दावन साहित्य सम्मान' से विभूषित किया जाएगा। डॉ राजीव पाण्डेय ने बताया संस्था ने इसी प्रकार के आयोजन करते हुए देश विदेश में हिंदी का प्रचार प्रसार करते हुए दो विश्व कीर्तिमान स्थापित किये हैं। इस बार के आयोजन में राष्ट्रीय संगोष्ठी, पुस्तक विमोचन, कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन होगा। देश के मूर्धन्य एवं स्थापित साहित्य कारों के सानिध्य में नवीन रचनाकारों की पीढ़ी को तैयार करने के उद्देश्य से मंच प्रदान करना संस्था का प्रमुख उद्देश्य रहा है।

वृन्दावन साहित्य महोत्सव के सफल आयोजन हेतु संस्था के महासचिव देश के वरिष्ठ गीतकार डॉ ओंकार त्रिपाठी (दिल्ली)इस आयोजन की लगातार मोनिटरिंग कर रहे हैं।

अन्य व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिये संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं छन्द गुरु राजकुमार छापड़िया(मुंबई) सचिव बृज माहिर(फरीदाबाद), कोषाध्यक्ष गार्गी कौशिक(गाजियाबाद) संगठन मंत्री रजनीश स्वछंद(दिल्ली) हरियाणा प्रभारी रचना गोयल,दिल्ली प्रभारी सीमा पटेल जिम्मेदारी सौंपी गई है।

केपी कॉलेज में वाद–विवाद प्रतियोगिता व पुरस्कार वितरण सपन्न'

'कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा व अध्यक्षता दिलीप श्रीवास्तव ने की'

प्रयागराज सजयंती सप्ताह के अन्तर्गत आज छठवें दिन मातृ संस्था कायस्थ पाठशाला के तत्वावधान में के.पी. इंटर कॉलेज में अंतर्विद्यालयीय

वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग के सदस्य रवींद्र कुशवाहा एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ । कायस्थ पाठशाला के उपाध्यक्ष वित्त गोपी कृष्ण श्रीवास्तव एवं उपाध्यक्ष शिक्षा योगेन्द्र कुमार विशिष्ट अतिथि थे। कालेज प्रबन्ध समिति के उपाध्यक्ष प्रशासन दिलीप श्रीवास्तव एडवोकेट ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ विवेक सिंह एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शीलू कच्छप ने निर्णायक की भूमिका का निर्वाह किया। प्रतियोगिता तीन स्तरों में संपन्न हुई। परिणाम इस प्रकार रहा – डिग्री वर्ग में पक्ष में सी एम पी डिग्री कालेज की अक्षिता सिंह तथा सीनियर एवं जूनियर वर्ग में के पी इंटर कालेज के शिवांश एवं अक्षत मिश्रा तथा विपक्ष में डिग्री वर्ग में के पी ट्रेनिंग कालेज की वंदना मौर्य एवं सीनियर वर्ग में पी इंटर कालेज के विष्णु कुमार विजेता रहे। संस्थापक समारोह में 27 सितम्बर से 1 सितम्बर के मध्य सांस्कृतिक, चित्रकला, रंगोली एवं निबन्ध प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 46 छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया।

मीडिया रिपोर्टः हीरक जयंती समारोह के अवसर पर रंगारंग जीवंत रंगोली प्रतियोगिता

प्रयागराज । प्रतिष्ठित महाविद्यालय की हीरक जयंती एवं मुंशी काली प्रसाद कुलभास्कर जयंती के उपलक्ष्य में महाविद्यालय परिसर में एक जीवंत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, उन्होंने सुंदर और रचनात्मक रंगोली डिजाइनों के माध्यम से अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंगारंग प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों के बीच सांस्कृतिक विरासत और रचनात्मकता को बढ़ावा देना था। प्रत्येक रंगोली में परंपरा, नवीनता और उत्सव के विषयों को दर्शाया गया, जिससे यह आयोजन आंखों के लिए एक आनंददायक बन गया। विजेताओं और प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि, कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे द्वारा सम्मानित किया गया, जिन्होंने छात्रों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें इस तरह के कलात्मक प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। इस आयोजन का मूल्यांकन प्रतिष्ठित निर्णायकों के एक पैनल ने किया, जिसमें डॉ.सरोज सिंह हिंदी विभाग, प्रोफेसर आभा त्रिपाठी हिंदी विभाग और शिक्षा विभाग से प्रोफेसर संगीता शामिल थे ।प्रथम पुरस्कार स्वीटी शर्मा बीए प्रथम वर्ष, द्वितीय पुरस्कार दिव्या त्रिपाठी बीए प्रथम वर्ष और तृतीय पुरस्कार ,प्रतिभा (बी.ए.लल.बी) को दिया गया ।विजेताओं को ट्रॉफी एव सर्टिफिकेट दिया गया ।सांत्वना पुरस्कार अपेक्षा राजपूत बीए प्रथम वर्ष को दिया गया, सभी प्रतिभागियों को भी सर्टिफिकेट दिया गया ।निर्णायक पैनल को प्रविष्टियों में से विजेताओं का चयन करने का चुनौतीपूर्ण कार्य था। उन्होंने छात्रों को रंगोली रचनाएँ तैयार करने के टिप्स प्रभावी ढंग से समझाए। सभी निर्णायकों ने विद्यार्थियों को इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया कार्यक्रम का समापन कार्यक्रम संयोजक श्रीमती रेनू सिंह धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयोजकों, प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। पूरे कार्यक्रम का कुशल संचालन श्री दिग्विजय श्रीवास्तव ने किया और कार्यक्रम में आकर्षण और सुसंगतता जोड़ी। रंगोली प्रतियोगिता एक शानदार सफलता थी, जिसने कॉलेज के हीरक जयंती समारोह पर एक अमिट छाप छोड़ी और रचनात्मकता और रंग के साथ मुंशी कालीप्रसाद कुलभास्कर जी की विरासत को याद किया।

भगवत गीता विषयक व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज सभौतिकी विभाग, सीएमपी डिग्री कॉलेज ने 2/12/2024 को कॉलेज के हीरक जयंती समारोह वर्ष को मनाने के लिए भौतिकी सोसाइटी– श्एटॉमिकाश के तत्वावधान में श्क्वांटम मैकेनिक्स और भगवद गीताश विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। इस व्याख्यान के वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डी. एस. कुलश्रेष्ठ थे। उन्होंने बहुत ही सरल रूप में क्वांटम मैकेनिक्स और भगवद गीता में समानता को श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने यह भी कहा कि सफलता के लिए आवश्यक है की हम सतत प्रयास करेंद्य कार्यक्रम का संचालन छात्राओं वैष्णवी गुप्ता और प्रेरणा शुक्ला ने किया। छात्रा श्रेया तिवारी द्वारा मधुर सरस्वती वंदना का गायन किया गया। प्रोफेसर राकेश कुमार, संयोजक, भौतिकी विभाग ने वक्ता और श्रोताओं का स्वागत किया द्य वक्ता का औपचारिक परिचय डॉ. संगीता सिंह ने दिया। सीएमपी डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने प्रो. कुलश्रेष्ठ को स्मृति चिन्ह प्रदान उन्हें सम्मानित किया द्य डॉ. ज्ञान प्रकाश ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत कर कार्यक्रम का समापन किया। इस अवसर पर प्रोफेसर उषा कुलश्रेष्ठ, किरोड़ीमल कॉलेजय भौतिकी विभाग के संयोजक प्रो. राकेश कुमार, डॉ. रेखा श्रीवास्तव, डॉ. नीलेश कुमार राय, डॉ. अजय कुमार यादव, डॉ. हरीश चंद्र यादव, डॉ. रोहित कुमार, डॉ. एच पी भास्कर, डॉ. राजेश कुमार यादव और अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे। करीब २०० छात्रों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

सम्पादकीय.....

विशाल स्वरूपा नारी सर्वत्र पूजनीय

स्त्रीयां सदैव विराट स्वरूपा होती हैं हर काल, हर युग मे नारी पूजनीय रहीं हैं।महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को बताते हुए कहा था कि मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सद्गुणों का सर्वोत्तम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे और वही पुरुष समाज स्त्रियों का अनादर कर सरे आम घर में, समाज और देश कोने कोने में स्त्री अस्मिता से खिलवाड़ कर अपने पुरुष होने का अति अशोभनीय दम्भ भरता है। नारियां कब तक पुरुषों द्वारा किए गए इन अनाचारों को झेलती रहेगी। भारतीय ऋषियों ने अथर्व वेद में माताओं को ''माता भूमिह पुत्र अहं पृथ्व्या'' अर्थात भूमि मेरी माता है और हम इस धरा के पुत्र हैं, कहकर प्रतिष्ठित किया है,तभी से विश्व में नारी महिमा का उद्घोष हो गया था। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन–पालन की ही देन है। जीजाबाई,जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलतः माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योद्घाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्भुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधान एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ–साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति ,संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं ।अतः महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन,पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ–साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सद्गुणी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में संकट आया है तो पत्नियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विजयश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था।विद्योत्मा ने कालिदास को संस्कृत का प्रकांड महाकवि बनाया था, इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट,गबन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायनों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती आ रही है। पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महती रही है। स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चा ना करना इस आलेख को पूर्ण बनाता है, अतः स्वाधीनता के आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर भारत के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अरूणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा,सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी और न जाने कितनी महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलक्ष्मी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनी, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में किया है जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी। वर्तमान में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति ईरानी, सोनिया गांधी,प्रियंका गांधी, हरसिमरन, कौर वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रतिभा पाटिल, मृदुला सिन्हा आदि ने राजनीति मैं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपने कार्यों से महिलाओं का सम्मान बढ़ाया एवं देश की अर्थव्यवस्था सुधारने में अपना योगदान दिया है। यह कहने में कतई गुरेज नहीं है कि महिलाएं राजनीति, सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, चिकित्सकीय, और विज्ञान में देश के हित के लिए अग्रणी रही हैं। सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की सशक्त भूमिका को नमन करते हुए कृतज्ञ राष्ट्र उन्हें साधुवाद प्रदान कर उनकी इस भूमिका को प्रणाम करता है।

सत्र में हंगामे: तय हो जबाबदेही

प्रेम शर्मा

संसद में हंगामा करते रहने की अपनी आदत पर विपक्ष को तो विचार करना ही चाहिए, सत्तापक्ष को भी यह देखना चाहिए कि संसद सही ढंग से कैसे चले? इसके लिए उसे विपक्ष को भरोसे में लेने के साथ ही महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर विचार–विमर्श के लिए माहौल बनाने के लिए आगे आना चाहिए।

लोकसभा हो या फिर राज्य सभा, विधान सभा हो या फिर विधान परिषद इनमें समय समय पर होने वाले सत्र सीधे आम जनता और देश की समृद्धि और विकास से जुड़े माने जाते है लेकिन संसद और विधानसभा का कोई भी सत्र हो, उसकी शुरुआत हंगामे से होना एक परंपरा का रूप ले चुका है। यह एक दुष्प्रभावी परंपरा है। फिर भी यह परम्परा दिन पर दिन बड़ी होती जा रही है। करोड़ रूपये खर्च होने के उपरान्त जिस सदन से जनता देश को कुछ हासिल होना है वह हंगामे की भेट चढ़ जाता है। इससे किसी को कुछ हासिल नहीं होता। विडंबना यह है कि वह हंगामे को अपनी जीत की तरह प्रस्तुत करता है।लोकसभा हो या फिर राज्य सभा, विधान सभा हो या फिर विधान परिषद में सत्र के दौरान इस या उस मुद्दे के बहाने हंगामा करना एक राजनीतिक स्वभाव बन गया है। जब जो दल विपक्ष में होता है, वह हंगामा करना पसंद करता है और वह भी तब, जब वह सत्ता में रहते समय हंगामे से त्रस्त हो चुका होता है। ऐसे में सदन के दौरान जो भी हंगामें होते आ रहे है उसके लिए पक्ष और विपक्ष की जबाबदेही तय होनी चाहिए। क्योकि सत्र और सत्र में भाग लेने वाले जनप्रतिनिधियों का खर्च करदाताओं की जेब से निकलता है। कई बार देखा गया कि विपक्ष यदा–कदा अपने हिसाब से ज्वलंत मुद्दों को उठाता है। लेकिन उन पर सार्थक बहस करने और सरकार से जवाब मांगने के बजाय उसकी दिलचस्पी इसमें अधिक होती है कि संसद चलने न पाए। आम तौर पर विपक्ष संसद में सरकार को घेरने के लिए मुद्दों का चयन खुद नहीं करता। वह उन मुद्दों को लेकर आगे आ जाता है, जो संसद सत्र के पहले से ही चर्चा में आ गए होते हैं। हालियॉ सत्र में यह पहले से तय था कि मणिपुर और अदाणी प्रकरण के साथ संभल का मामला भी विपक्ष की कार्यसूची में आ जाएगा। ऐसे मामले उसकी कार्यसूची में होने ही चाहिए, लेकिन क्या उसके लिए यह भी आवश्यक नहीं कि वह अपने स्तर पर जनता से जुड़े कुछ मुद्दों का चयन करे और इसके लिए प्रयत्न करे कि सरकार उन पर जवाब दे ?देश और राज्यों में बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, शहरीकरण समेत न जाने कितने ऐसे विषय हैं, जिन पर संसद में व्यापक विचार–विमर्श होना चाहिए। पता नहीं क्यों विपक्ष इन विषयों पर संसद में चर्चा के लिए गंभीर नहीं दिखता ? विपक्ष हंगामा कर संसद को बाधित करते रह सकता है, लेकिन वह ऐसा करके जनता का ध्यान अपनी ओर आकर्षित नहीं कर सकता। यह सभी दल और जनप्रतिनिधि जानते है कि जनता हंगामा नहीं, राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सरकार का जवाब चाहती है। संसद में हंगामा करते रहने की अपनी आदत पर विपक्ष को तो विचार करना ही चाहिए, सत्तापक्ष को भी यह देखना चाहिए कि संसद सही ढंग से कैसे चले? इसके लिए उसे विपक्ष को भरोसे में लेने के साथ ही महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर विचार–विमर्श के लिए माहौल बनाने के लिए आगे आना चाहिए। सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच कटुता दूर होनी चाहिए। यह तभी संभव है, जब दोनों पक्ष एक–दूसरे को आदर देंगे। संसद के शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ गया। इसका अंदेशा पहले से था, क्योंकि कांग्रेस और कुछ अन्य दलों ने अदाणी प्रकरण, मणिपुर की हिंसा के साथ कुछ अन्य मामलों पर जोर देने का एलान कर दिया था। इनमें से एक मामला संभल की हिंसा का भी जुड़ गया, जो संसद सत्र शुरू होने के पहले ही सामने आया। अदाणी प्रकरण भी कुछ दिनों पहले चर्चा में आया था। क्या यह महज एक दुर्योग है कि पिछले कुछ समय से संसद सत्र के पहले कोई न कोई सनसनीखेज मामला सामने आ जाता है ? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि अतीत में पेगासस जासूसी और अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रपटें संसद का सत्र शुरू होने के पहले ही आईं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अचानक आए ऐसे मुद्दों को लपक लेते हैं। निश्चित तौर पर 25 नवम्बर से शुरू हुए शीत कालीन सत्र में जनता और देश को क्या हासिल हुआ इसका जबाब न तो सत्ता पक्ष के पास है न ही विपक्ष के पास होगा। आखिर हंगामा बेहतर है या मणिपुर या फिर अन्य किसी मसले पर गंभीर चर्चा ? आम तौर पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल संसद सत्र शुरू होने के पहले जो मसला खबरों में आ गया होता है, उसे ही तूल देने लगते हैं। इसमें हर्ज नहीं, लेकिन आखिर वे शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण समेत राष्ट्रीय महत्व के अन्य मुद्दों पर भी कोई ध्यान क्यों नहीं देते ? ऐसा तो है नहीं कि ये मुद्दे जनता को प्रभावित न करते हों। यह ठीक नहीं कि विपक्ष संसद में जनता के जीवन से जुड़े वास्तविक मुद्दे उठाने के लिए न तो कोई प्रयत्न करता दिखता है और न ही उनकी कोई तैयारी दिखती है। संसद में एक दिन सत्र को कराने में कितनी मोटी रकम खर्च होती है ? हमारे और आपके द्वारा चुने गए नेताओं के संसद में शोर और हल्ला करने से देश की इकोनॉमी पर काफी असर पड़ रहा है। आप जान कर हैरान होंगे कि देश में रहने वाले टैक्सपेयर्स का पैसों का नुकसान हर घंटे केवल संसद में नेताओं के हो–हल्ले के कारण हो रहा हैसंसद की प्रत्येक कार्यवाही पर हर एक मिनट में ढाई लाख (2.5) रुपये खर्च होते हैं।संसद में हंगामा होने के कारण आम आदमी का ढाई लाख रुपए हर मिनट बर्बाद होता है। आसान भाषा में समझें तो एक घंटे में डेढ़ करोड़ रुपये (1.5) खर्च हो जाता है। कुल मिलाकर इन हंगामों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष को अपनी जबाबदेही तय करने का अब समय आ चुका है।

भारत में सहकारिता आंदोलन को सफल होना ही होगा

प्रह्लाद सबनानी

भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को भी सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब "सहकार से समृद्धि" की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है। भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। उक्तवर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021–22 तक के हैं। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिती लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के कई नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी बैंकों की कार्य प्रणाली को दिशा देने एवं इनके कार्यों को प्रभावशाली तरीके से नियंत्रित करने के लिए अपेक्स स्तर पर कोई संस्थान नहीं है। जिस प्रकार अन्य बैकों पर भारतीय रिजर्व बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थानों का नियंत्रण रहता है ऐसा सहकारी क्षेत्र के बैकों पर नहीं है। इसीलिए सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। इसके विपरीत सरकारी क्षेत्र के बैंकों का प्रबंधन बहुत पेशेवर, अनुभवी एवं सक्रिय रहा है। ये बैंक जोखिम प्रबंधन की पेशेवर नीतियों पर चलते आए हैं जिसके कारण इन बैंकों की विकास यात्रा अनुकरणीय रही है। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था केंद्र सरकार द्वारा किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा। सहकारी क्षेत्र पर आधरित आर्थिक मोडेल के कई लाभ हैं तो कई प्रकार की चुनौतियां भी हैं। मुख्य चुनौतियां ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रही जिला केंद्रीय सहकारी बैकों की शाखाओं के सामने हैं। इन बैंकों द्वारा ऋण प्रदान करने की स्कीम बहुत पुरानी हैं एवं समय के साथ इनमें परिवर्तन नहीं किया जा सका है। जबकि अब तो ग्रामीण क्षेत्रों में आय का स्वरूप ही बदल गया है। ग्रामीण इलाकों में अब केवल 35 प्रतिशत आय कृषि आधारित कार्य से होती है शेष 65 प्रतिशत आय गैर कृषि आधारित कार्यों से होती है। अतः ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रहे इन बैकों को अब नए व्यवसाय माडल खड़े करने होंगे। अब केवल कृषि व्यवसाय आधारित ऋण प्रदान करने वाली योजनाओं से काम चलने वाला नहीं है। भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर–पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अतः देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय को दुगुना करने के लिए सहकारी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना करनी होगी। इससे खाद्य सामग्री की बर्बादी को भी बचाया जा सकेगा। एक अनुमान के अनुसार देश में प्रति वर्ष लगभग 25 से 30 प्रतिशत फल एवं सब्जियों का उत्पादन उचित रख रखाव के अभाव में बर्बाद हो जाता है। शहरी क्षेत्रों में गृह निर्माण सहकारी समितियों का गठन किया जाना भी अब समय की मांग बन गया है क्योंकि शहरी क्षेत्रों में मकानों के अभाव में बहुत बड़ी जनसंख्या झुग्गी झोपड़ियों में रहने को विवश है। अतः इन गृह निर्माण सहकारी समितियों द्वारा मकानों को बनाने के काम को गति दी जा सकती है। देश में आवश्यक वस्तुओं को उचित दामों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंजूमर सहकारी समितियों का भी अभाव है। पहिले इस तरह के संस्थानों द्वारा देश में अच्छा कार्य किया गया है। इससे मुद्रा स्फीति की समस्या को भी हल किया जा सकता है।

रोगमुक्त जीवन के लिए योग अद्भुत विधा

संजीव ठाकुर

योग स्वयं के माध्यम से स्वयं की यात्रा हैस अर्वाचीन भारतीय दर्शन शास्त्र की पाठशाला में एक महत्वपूर्ण एवं अद्भुत पाठशाला योग भी हैस योग शब्द मूलतः संस्कृत की भाषा से उपजा शब्द है। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द श्युज,से हुई है इसके दो अर्थ है पहला अर्थ जोड़ना तथा दूसरा बहुत ही वृहद व्यापक शब्द अनुशासन है। योग से उसके अभ्यास के कारण शरीर तथा मस्तिष्क में एक सामंजस्य और संबंध बन जाता है, जिससे मस्तिष्क शांत तथा अनुशासित रहता हैं। यह व्यायाम का ही एक अंग है,जिससे शरीर तथा मन नियंत्रित रह कर जीवन को परिस्थितियों के अनुकूल एवं सफल बनाता है। योग स्वस्थ जीवन जीने का एक विज्ञान है। यह एक प्रकार की यौगिक औषधि है, वह हमारे शरीर के काम करने के तरीकों को धीरे–धीरे बेहतर कर शिथिल अंगों को स्वयं हल्के हल्के ठीक कर देता है। निरोगी काया श्रेष्ठ जीवन का वरदान होती है। यदि आप निरोगी और स्वस्थ हैं तो आप सफलतम व्यक्ति बन सकते हैं धन लिप्सा आकांक्षा लालच से योग मुक्त कर एक खुशनुमा जीवन जीने की जीजिविषा तथा जुजुस्ता पैदा करता है। योग जीवन की एक कला है जो वर्तमान परिवेश में और भौतिक जगत में अत्यंत प्रासंगिक भी है। योग हमें शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ रखने का एक सशक्त माध्यम है हम सबको, आपको लगता है कि आज के आधुनिक जीवन में हमें एक बहुत अस्त व्यस्त तथा मानसिक असंतुलन वाली जीवन शैली मिली है। यह सभी अनियमित भोजन की आदतों, अभाव या अनुचित नींद या लंबे समय तक कठोर श्रम करने के कारण प्राप्त हुई है। नई पीढ़ी के बच्चे, युवा स्वस्थ जीवन शक्ति सार्वजनिक लचीलापन ऊर्जा और रोगों के लिए प्रतिरोधात्मक क्षमता की खोज में लगे हुए है,और सही सहीं माना जाए तो इन सब का जवाब योग अभ्यास में ही है। योग के आसन प्राणायाम और ध्यान से संयमित शरीर और आत्मा के साथ संतुलित जीवन शैली को प्राप्त किया जा सकता है। और इस जीवन में हम अपने को शक्तिवान,ऊर्जावान महसूस करने लगते हैं। योगाभ्यास के जरिए न केवल बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है बल्कि स्वयं के अंदर एक नई ऊर्जा का संचार भी किया जा सकता है। अपने बेडौल शरीर को भी योग अभ्यास के जरिए सही आकार में लाने का यह सर्वाधिक सुरक्षित आसान और कारगर तथा लागत विहीन जरिया है। योग्य के वैसे तो कर्म योग, भक्ति योग,ज्ञान योग, राजयोग और हठयोग भी अलग–अलग विभेद हैं, पर सभी पांचों योगों के अलग–अलग तरीके तथा अलग–अलग फायदे हैं। कर्म योग सदैव दूसरों की सेवा के लिए प्रेरित करता है। और इसका मूल्य देश सामाजिक कल्याण यह समाज सेवा ही है। भक्ति योग हमें ईश्वर की साधना कैसे की जाए, यह पाठ पढ़ाता है ।भक्ति योग मनुष्य के अंदर हृदय तथा मस्तिष्क को संतुलित कर एक सकारात्मक ऊर्जा की ओर प्रेरित करता है।भक्ति योग एक प्रकार का मानसिक योग है जिससे मन शांत रहकर सहिष्णुता की उत्पत्ति होती है, यह अहिंसक मार्ग की ओर प्रेरित करता है। ज्ञान योग बुद्धि के विकास एकाग्रता बढ़ाने तथा समाजिक ज्ञान विज्ञान की प्रेरणा देते एवं अध्ययन मनन में मनुष्य की सहायता करता है। राजयोग सर्वाधिक प्रचलित कथा लोकप्रिय योग है। यह योग की सबसे महत्वपूर्ण विधा है इसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम,प्रत्याहार धारणा और ध्यान या समाधि इसमें परम आनंद की प्राप्ति या मोक्ष प्राप्ति की विधाओं के बारे में विस्तृत वर्णन है। योग का इतिहास पांच सौ साल पुराना है। पश्चिमी देशों के लोगों का परिचय योग से तब हुआ जब स्वामी विवेकानंद ने अपने शिकागो की यात्रा के समय लोगों को योग के महत्व के बारे में व्यापक रूप से बताया था। इसके बाद पूरे विश्व में योग के प्रचार प्रसार के लिए कई योग गुरु ने अनथक प्रयास कर योग को विश्वव्यापी फलक पर विराजमान किया। पहली बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इसकी पहल कर 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ की आम सभा में अपने भाषण में उल्लेख कर इसे प्रतिपादित किया। उन्होंने अपने भाषण में कहा था कि योग शारीरिक तथा मानसिक सामंजस्य का अद्भुत सहयोग तथा तरीका है। यह मनुष्य तथा प्रकृति के बीच का एक सामंजस्य स्थापित करने वाला अद्भुत से सेतु है। और तब 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ में उसके 177 सदस्यों द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की सहमति देकर इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की थी। इस प्रस्ताव को बहुत ही कम समय में मंजूरी प्रदान कर दी गई, जो कि संयुक्त राष्ट्र संघ के इतिहास की सबसे कम समय में दी गई मंजूरी थी। योग के वैसे तो अनगिनत फायदे हैं। और हम यह कह सकते हैं कि योगाभ्यास ईश्वर द्वारा मानव सभ्यता को दिया गया अप्रतिम उपहार है। योग किसी चमत्कार से कम नहीं।जिन असाध्य बीमारियों का वर्तमान चिकित्सा पद्धति से इलाज नहीं हो पाता,योग उन बीमारियों को शनै शनै उपचार कर ठीक कर देता है। यह शारीरिक मानसिक शांति ऊर्जा शक्ति तो देता ही है, साथ में हमें आत्म संयम, आत्मबल तथा आत्मज्ञान से भी रूबरू कराता है। योग बहुत ही आसान व्यायाम है,यह दैनिक क्रियाओं के साथ स्वस्थ शरीर और मन की क्रिया है।

क्या ऐश्वर्या और श्रीमा राय के रिश्ते में आई खटास? बच्चन परिवार को किया फ्श्लो मगर ऐश्वर्या को किया इग्नोर

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन के निजी जीवन को लेकर इन दिनों कई अफवाहें चल रही हैं। ऐश्वर्या और उनके पति अभिषेक बच्चन की शादी में दरार की खबरें और ऐश्वर्या के ससुराल, यानी बच्चन परिवार के साथ उनके रिश्ते पर भी सवाल उठ रहे हैं। इन अफवाहों के बीच अब एक नई खबर सामने आई है, जो और भी चौंकाने वाली है। ऐश्वर्या राय बच्चन की भाभी श्रीमा राय के इंस्टाग्राम अकाउंट को देखकर ऐसा लगता है कि ऐश्वर्या और श्रीमा के रिश्ते में कुछ खटास आ गई है। दरअसल, श्रीमा राय ने ऐश्वर्या को अपने इंस्टाग्राम पर फॉलो नहीं किया है। यह बात सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है, क्योंकि दोनों के बीच रिश्ते को लेकर पहले से ही सवाल उठ रहे थे। श्रीमा राय ने ऐश्वर्या को तो इंस्टाग्राम पर फॉलो नहीं किया, लेकिन बच्चन परिवार के अन्य 5 सदस्यों को फॉलो किया है। इनमें सबसे पहले अमिताभ बच्चन, फिर अभिषेक बच्चन, श्वेता बच्चन, अगस्त्य नंदा और नव्या नवेली नंदा का नाम शामिल है। इन पांचों को श्रीमा इंस्टाग्राम पर फॉलो करती हैं, जबकि ऐश्वर्या को नहीं। श्रीमा और श्वेता बच्चन के बीच अच्छे रिश्ते हैं। श्वेता ने श्रीमा को उनके जन्मदिन पर फूल भी भेजे थे, जिससे यह साबित हुआ कि दोनों के बीच एक मजबूत बॉन्ड है। हालांकि, अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि ऐश्वर्या और उनकी भाभी श्रीमा के रिश्ते में दरार की असली वजह क्या है।

> “
> ऐश्वर्या राय बच्चन की भाभी श्रीमा राय के इंस्टाग्राम अकाउंट को देखकर ऐसा लगता है कि ऐश्वर्या और श्रीमा के रिश्ते में कुछ खटास आ गई है। दरअसल, श्रीमा राय ने ऐश्वर्या को अपने इंस्टाग्राम पर फॉलो नहीं किया है। यह बात सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है, क्योंकि दोनों के बीच रिश्ते को लेकर पहले से ही सवाल उठ रहे थे।

खूबसूरत वादियों में स्नो बाइक चलाती नजर आई निमरत कौर, बोलीं- 'बताओ कौन सी जगह'

बॉलीवुड अभिनेत्री निमरत कौर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी एक रोमांचक वीडियो शेयर की, जिसमें वह आइस स्कूटर चलाती नजर आ रही हैं। 'एयरलिफ्ट' अभिनेत्री ने मजेदार वीडियो के साथ मजेदार कैप्शन भी दिया है। 'एयरलिफ्ट' अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरों और एक वीडियो को शेयर कर अपने प्रशंसकों को शानदार झलक दिखाई। अभिनेत्री ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, "दिसंबर में जूम, जगह गेस करो, ठंडक का अहसास।" वीडियो में निमरत खिलखिलाकर हंसती और स्नो बाइक चलाती नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में वह एक आइस बाइक पर बैठी हुई दिखाई दे रही हैं और बर्फ से ढके पहाड़ों के सामने खुश अंदाज में पोज दे रही हैं। इससे पहले उन्होंने फैंस के साथ शेयर किया कि वह नाश्ते में डोसा और इडली खा रही हैं। 42 वर्षीय अभिनेत्री की गिनती इंडस्ट्री की खूबसूरत और स्टाइलिश अभिनेत्रियों में की जाती है। निमरत कौर के वर्कफ्रंट पर नजर डालें तो वह पिछली बार 'सजनी शिंदे का वायरल वीडियो' में नजर आई थीं। फिल्म में उन्होंने बेला बरोट का किरदार निभाया था। मिखिल मुसले द्वारा निर्देशित रहस्य–थ्रिलर में निमरत के साथ राधिका मदान, भाग्यश्री और सुबोध भावे भी अहम रोल में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार निमरत को अक्षय कुमार स्टारर प्रोजेक्ट 'स्काई फोर्स' में नजर आएंगी। आने वाली फिल्म अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केवलानी द्वारा निर्देशित है और 24 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

वैष्णो देवी मंदिर में शूट हुए गाने के दौरान आई थीं काफी दिक्कतें, शबाना आजमी बोलीं- न हेलिकॉप्टर की सुविधा, न रास्ते में कोई टॉयलेट था

साल 1983 में आई फिल्म अवतार को आज भी खूब पसंद किया जाता है। इस फिल्म में राजेश खन्ना और शबाना आजमी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म की कहानी और गाने दोनों ही हिट हुए थे, लेकिन फिल्म का गाना चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है आज भी सुना जाता है और मंदिरों, कीर्तनों और जगरातों मेंअक्सर सुनने को मिलता है। हाल ही में शबाना आजमी ने इस गाने की शूटिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया और बताया कि वैष्णो देवी के मंदिर में शूट हुए गाने की शूटिंग के दौरान कई परेशानियां आई थीं। रेडियो नशा को दिए गए इंटरव्यू में शबाना आजमी ने बताया, ष्उस समय हेलिकॉप्टर की सुविधा नहीं थी और हमें मंदिर तक पहुंचने के लिए पैदल ही जाना पड़ा था। रास्ते में कोई टॉयलेट की सुविधा भी नहीं थी, जो कि बहुत ही कठिन स्थिति थी। शबाना ने मुश्किल शूटिंग को याद करते हुए बताया कि उस समय कितनी परेशानियां थीं, लेकिन आज भी वह गाना लोगों के दिलों में बस चुका है। शबाना ने आगे कहा, क्या आप सोच सकते हैं कि राजेश खन्ना जैसा सुपरस्टार डालडा के डिब्बे हाथ में लिए लाइन में खड़ा हो? उस वक्त कड़कड़ाती ठंड भी थी। हम धर्मशालाओं में फर्श पर सोते थे। हमारे नीचे गद्दे होते थे, जिन पर 12 कंबल बिछाए गए होते थे और छह कंबल मिलाकर ओढ़ने के लिए इस्तेमाल करते थे। फिर भी हमें ठंड लगती थी। उस वक्त राजेश खन्ना ये नहीं बोल सकते थे कि भई मैं तो सुपरस्टार हूं। हमने फुल जोश में काम किया। शबाना आजमी ने राजेश खन्ना के साथ 7 फिल्मों में काम किया था और दोनों स्टार्स में काफी अच्छा बॉन्ड बन गया था। हालांकि, राजेश खन्ना अब इस दुनिया में नहीं हैं। साल 2012 में उनका निधन हो गया था।

संगीत से सजी पुराना किला की रात, आसियान–इंडिया म्यूजिक फेस्टिवल 2024 का ऐतिहासिक आगाज

29 नवंबर 2024 पुराना किला की ऐतिहासिक दीवारों के बीच आसियान–इंडिया म्यूजिक फेस्टिवल 2024 के तीसरे संस्करण की भव्य शुरुआत हुई। इस सांस्कृतिक उत्सव ने संगीत प्रेमियों के लिए एक ऐसा मंच तैयार किया, जहां कला, संस्कृति और रचनात्मकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। फेस्टिवल का आयोजन विदेश मंत्रालय (एमईए) और सहर ने मिलकर किया, जो भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और आसियान–भारत की मजबूत साझेदारी के 10 वर्षों का जश्न है। फेस्टिवल की पहली रात संगीत की सुरमयी धुनों और शानदार परफॉर्मेंस से भरपूर रही। भारत के लोकप्रिय गायक शान और रघु दीक्षित ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, म्यांमार के एमआरटीवी, कंबोडिया के चेत कान्हचना और वियतनाम के बक टुओंग जैसे अंतरराष्ट्रीय कलाकारों ने अपनी अनोखी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को यह अहसास कराया कि संगीत की ताकत सीमाओं से परे दिलों को जोड़ने में सक्षम है। शान ने अपनी परफॉर्मेंस के बाद कहा, "पुराना किला की ऐतिहासिक दीवारें हमारे संगीत की गूंज से जीवंत हो उठीं। दर्शकों का जोश और प्यार वाकई जादुई था।भारत के विदेश मामलों के राज्यमंत्री श्री पबित्रा मार्घेरिटा ने उद्घाटन के मौके पर कहा, "आसियान–इंडिया म्यूजिक फेस्टिवल केवल संगीत और कला का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह उन सांस्कृतिक संबंधों को उजागर करता है जो हमने वर्षों में बनाए हैं। यह कार्यक्रम भारत और आसियान के साझा विकास और रिश्तों को और मजबूत करता है। सहर के संस्थापक निदेशक संजीव भार्गव ने कहा, "संगीत में वह ताकत होती है, जो शब्दों से परे जाकर दिलों को जोड़ती है। यह उत्सव हमारे साझा अनुभवों और संस्कृतियों के बीच के रिश्तों को गहराई देने का माध्यम है।"फेस्टिवल के पहले दिन ने जहां दर्शकों का दिल जीत लिया, वहीं अगले दो दिन और भी रोमांचक होने का वादा कर रहे हैं। दूसरे दिन भारत की सुकृति–प्रकृति और वेस्टर्न घाट्स, फिलीपींस की काइया और अन्य अंतरराष्ट्रीय कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी। फेस्टिवल का समापन तीसरे दिन जसलीन रॉयल और अन्य कलाकारों के शानदार प्रदर्शन के साथ होगा। आसियान–इंडिया म्यूजिक फेस्टिवल 2024 केवल एक संगीत कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह सांस्कृतिक विविधता और एकता का उत्सव है। इस फेस्टिवल में भारत और आसियान देशों के कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियां दर्शकों को दोनों क्षेत्रों की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का अनुभव दे रही हैं।

37 साल की उम्र में विक्रांत मैसी ने एक्टिंग को कहा अलविदा, बचपन से लेकर जवानी तक एक्टर ने खूब किया काम

विक्रांत मैसी अपनी हाल ही में रिलीज़ हुई फिल्मों – 12वीं फेल, सेक्टर 36 और द साबरमती रिपोर्ट की सफलता का लुत्फ़ उठा रहे हैं। उम्मीद थी कि अभिनेता अपने प्रशंसकों का मनोरंजन ऐसे ही और प्रोजेक्ट्स से करेंगे, लेकिन शायद ही किसी को पता होगा कि अभिनेता शायद हमेशा के लिए अभिनय व्यवसाय को अलविदा कहने की योजना बना रहे हैं। बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी ने सोमवार की सुबह सोशल मीडिया पर एक चौंकाने वाली घोषणा करके प्रशंसकों को चौंका दिया, जब उन्होंने अभिनय से संन्यास लेने के अपने फैसले का खुलासा किया। इंस्टाग्राम पर 37 वर्षीय अभिनेता ने साझा किया कि उनकी अंतिम दो फ़िल्में 2025 में रिलीज़ होने वाली हैं, जिसके बाद वह ''घर वापस लौटने'' की योजना बना रहे हैं।

विक्रांत मैसी ने 37 साल की उम्र में अभिनय से संन्यास की घोषणा की

विक्रांत मैसी के आधिकारिक बयान में लिखा है, षपिछले कुछ साल और उसके बाद का समय अभूतपूर्व रहा है। मैं आप सभी को आपके अविश्वसनीय समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूँ। लेकिन जैसे–जैसे मैं आगे बढ़ रहा हूँ, मुझे एहसास हो रहा है कि अब समय आ गया है कि मैं खुद को फिर से संभालूँ और घर वापस जाऊँ। एक पति, पिता और बेटे के तौर पर। और एक अभिनेता के तौर पर भी।ष

विक्रांत की नवीनतम फ़िल्म और विवाद

रिपोर्ट्स के मुताबिक, विक्रांत फिलहाल दो फिल्मों – यार जिगरी और आंखों की गुस्ताखियां पर काम कर रहे हैं। आगामी काम के बारे में बताते हुए, अभिनेता ने लिखा, ''तो 2025 में, हम आखिरी बार एक–दूसरे से मिलेंगे। जब तक समय सही न लगे। आखिरी 2 फिल्में और कई सालों की यादें। फिर से शुक्रिया। हर चीज के लिए और बीच में जो कुछ भी हुआ उसके लिए।'' विक्रांत ने दर्शकों के लिए अपने नोट को श्हमेशा ऋणीश कहकर समाप्त किया। हाल ही में, वह अपनी फ़िल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' के लिए सुर्खियों में थे। यह फिल्म 15 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि, इस फिल्म को लेकर कुछ विवाद भी हुए क्योंकि यह गोधरा कांड और उसके बाद 27 फरवरी, 2002 को गुजरात में हुए दंगों पर आधारित है। धीरज सरना द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राशि खन्ना और रिधि डोगरा भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। द साबरमती रिपोर्ट का निर्माण एकता आर कपूर, शोभा कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन ने किया है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी सहित कई प्रमुख नेताओं ने इस फिल्म की सराहना की है। फिल्म में मैसी ने एक पत्रकार की भूमिका निभाई है जो पूरी घटना के पीछे की सच्चाई को उजागर करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

टीवी से शुरुआत करके बॉलीवुड स्टार बनने तकरू विक्रांत मैसी का सफ़र

टेलीविज़न शो धूम मचाओ धूम से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाले विक्रांत मैसी ने 2009 में बालिका वधू के ज़रिए व्यापक पहचान हासिल की। उन्होंने लुटेरा (2013) से फ़िल्मों में कदम रखा और ए डेथ इन द गंज (2017) में अपनी पहली मुख्य भूमिका हासिल की। घ्घपिछले कुछ सालों में मैसी ने गिन्नी वेड्स सनी, हसीन दिलरुबा, लव हॉस्टल और समीक्षकों द्वारा प्रशंसित 12वीं फ़ेल जैसी फ़िल्मों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया और भारतीय सिनेमा में एक बहुमुखी अभिनेता के रूप में अपनी जगह पक्की की।

रोजाना सुबह मुनक्का खाने से सेहत को मिलते हैं जबरदस्त फायदे, हार्ट हेल्दी रखता

आमतौर पर मुनक्का को काली किशमिश के नाम से भी जाना जाता है। यह बेहद ही स्वादिष्ट और पौष्टिक सुपरफूड है, जो कई तरह से स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। आवश्यक विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। मुनक्का का सेवन करने से पाचन सहायता से लेकर लेकर ह्रदय स्वास्थ्य में सुधार रखता है। आइए जानते हैं मुनक्का के फायदे और इसका सेवन कैसे करें।

मुनक्का का सेवन कैसे करें

–मुनक्का सेवन करने के लिए बेहद आसान तरीका है कि 5 मुनक्कों को रात भर पानी में भिगो दें और फिर अगली सुबह खाली पेट खाएं। बता दें, भिगोने से उनके पोषक तत्वों का अवशोषण बढ़ता है और उन्हें पचना आसान होता है।

–यदि आप मुनक्का को पानी में अच्छे से धो लो। फिर इसका बीज को निकाल दें। अब 5 से 10 मुनक्कों को सींख में डाल दें। फिर आप इसे आंच पर 2–3 मिनट तक चारों तरफ से भून लें। इसको अब एक प्लेट में निकाल लें, थोड़ा काला नमक और काली मिर्च छिड़कें, अच्छी तरह मिलाएं और आनंद लें।

मुनक्का के हेल्थ बेनिफिट्स

इम्यूनिटी बूस्ट होती है

मुनक्का खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ने में मदद करताहै। इसमें एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, यह शरीर के हानिकारक मुक्त कणों से बचाने और संभावित संक्रमणों को रोकता है। अगर आप इसे नियमित रुप से सेवन करते हैं, तो सर्दी–जुकाम जैसी आम बीमारियों से बचा जा सकता है। इसमें आयरन, कैल्शियम और विटामिन सी होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है।

डायबिटीज रोगियो के लिए फायदेमंद

डायबिटीज के पैशेंट के लिए मुनक्का बेहद फायदेमंद होता है। मुनक्का सेवन से ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित करने में मदद करता है। इसमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, इसके सेवन से ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करता है।

हड्डियों को मजबूत रखती

बोरॉन और कैल्शियम से भरपूर होने के कारण, मुनक्का हड्डियों को मजबूत बनान् में सहायक होता है। बोरोन हड्डियों के निर्माण में मदद करता है। वहीं, कैल्शियम अवशोषण में मदद करता है। जबकि इसमें मौजूद पोटेशियम हड्डियों के विकास में मदद करता है और ऑस्टियोपोरोसिस को रोकता है।

पाचन को दुरुस्त करता

मुनक्का अपने रेचक गुणों के लिए प्रसिद्ध है। यह कब्ज के लिए एक प्रभावी उपाय बनाती है। इसके अलावा, मुनक्का में फाइबर खूब होता है, जो सुचारू पाचन को बढ़ावा देने में मदद करता है और सूजन को रोकता है। यह मल को नरम करके और नियमित मल त्याग में सहायता करके पाचन स्वास्थ्य को बेहतर करते हैं

वजन घटाने में फायदेमंद

यदि आप अपना अतिरिक्त वजन कम करना चाहते हैं, तो भोजन से पहले मुनक्का का सेवन भूख को नियंत्रित करने में मदद करता है और वजन घटाने में सहायता करता है। उच्च फाइबर सामग्री और प्राकृतिक मिठास के कारण, मुनक्का आपको भरा हुआ महसूस कराकर, पाचन प्रक्रिया को धीमा करके और मीठे की लालसा को नियंत्रित करके भूख की पीड़ा को रोकने में मदद करता है।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद

यदि आप भी चमकती त्वचा और सुंदर बाल चाहते हैं? तो मुनक्का को अपने आहार में शामिल करें। एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन और आयरन जैसे त्वचा के अनुकूल पोषक तत्वों से भरपूर, यह रक्त परिसंचरण में सुधार करता है और कोशिका पुनर्जनन में मदद करता है जो उम्र बढ़ने के संकेतों से लड़ता है और एक स्वस्थ और चमकदार रंगत को बढ़ावा देता है।

दांतों के लिए फायदेमंद

मुनक्का के सेवन का एक अन्य लाभ दांतों का बेहतर स्वास्थ्य है। कैल्शियम से भरपूर, यह सुपरफूड दांतों के इनेमल को फिर से खनिजयुक्त बनाने और सूजे हुए दांतों और मसूड़ों को कम करने में मदद करता है।

बच्चों को गुड टच और बैड टच में फर्क समझाने के आसान तरीके

हर माता–पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा सुरक्षित, समझदार और आत्मविश्वासी बने। बच्चों को यह समझाना कि कौन सा स्पर्श (टच) सही है और कौन सा गलत, उनकी सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। गुड टच और बैड टच के बीच अंतर समझाकर आप अपने बच्चे को यौन शोषण जैसी समस्याओं से बचा सकते हैं। यहां कुछ सरल टिप्स दिए गए हैं, जिनकी मदद से आप अपने बच्चे को इन महत्वपूर्ण चीजों के बारे में सिखा सकते हैं।

गुड टच और बैड टच का फर्क समझाएं

अपने बच्चों को सरल भाषा में समझाएं कि गुड टच वह है जिससे वे प्यार और देखभाल महसूस करते हैं। जैसे कि परिवार के किसी सदस्य का गले लगाना या प्यार से सिर पर हाथ फेरना। वहीं, बैड टच वह है जो उन्हें असहज या डरावना महसूस कराए। उन्हें उदाहरण देकर बताएं कि अगर कोई अजनबी व्यक्ति उन्हें गलत तरीके से छूने की कोशिश करता है, तो वह बैड टच है।

शरीर के अंगों के बारे में जानकारी दें

अपने बच्चों को उनके शरीर के अंगों के नाम सिखाएं और बताएं कि शरीर के कौन से हिस्सों को छूना सुरक्षित है और कौन से नहीं। बच्चों को यह समझाएं कि अगर कोई व्यक्ति उनके निजी अंगों को छूने की कोशिश करे या उन्हें अजीब महसूस हो, तो वे तुरंत माता–पिता या किसी भरोसेमंद व्यक्ति को इसके बारे में बताएं।

बच्चों के साथ खुलकर बात करें

अपने बच्चों को यह विश्वास दिलाएं कि उनका शरीर सिर्फ उनका है और कोई भी उन्हें बिना उनकी अनुमति के छू नहीं सकता। उनसे कहें कि अगर कभी उन्हें असहज महसूस हो, तो वे बिना किसी झिझक के आपको सबकुछ बताएं। माता–पिता को अपने बच्चों के साथ ऐसा रिश्ता बनाना चाहिए, जिसमें बच्चे खुलकर अपनी हर बात शेयर कर सकें।

कहानियों और उदाहरणों का सहारा लें

बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में समझाने के लिए कहानियों या ड्रामा का सहारा लें। यह बच्चों को आसानी से सीखने में मदद करता है। इसके अलावा, स्कूल के टीचर्स से बात करें ताकि वे बच्चों को इन बातों के प्रति जागरूक कर सकें।

अजनबियों से सतर्क रहने की सलाह दें

अपने बच्चों को सिखाएं कि वे कभी भी किसी अजनबी से बातचीत न करें और न ही उनसे कुछ खाएं। उन्हें समझाएं कि अजनबियों से दोस्ती करना खतरनाक हो सकता है। बच्चों को यह भी बताएं कि वे अकेले कहीं न जाएं और अपने दोस्तों और परिवार के साथ ही रहें।

आत्मरक्षा का महत्व सिखाएं

बच्चों को बताएं कि अगर कोई उन्हें बैड टच करे, तो वे जोर से 'ना' कहें, वहां से भागें और तुरंत किसी भरोसेमंद व्यक्ति को इसकी जानकारी दें। उन्हें यह सिखाएं कि खुद की रक्षा करना उनकी प्राथमिकता है।

गुड टच और बैड टच का मतलब

गुड टचः ऐसा स्पर्श जो प्यार और देखभाल दर्शाए, जैसे माता–पिता का गले लगाना।

बैड टचः ऐसा स्पर्श जिससे बच्चा डर या असहज महसूस करे, खासकर निजी अंगों को छूने की कोशिश।

इन आसान तरीकों से आप अपने बच्चों को उनकी सुरक्षा के लिए जागरूक बना सकते हैं। याद रखें, आपका बच्चा तभी सुरक्षित रहेगा जब वह आत्मविश्वासी और सतर्क होगा।

सर्दियों में क्यों जरूरी है आंवले का सेवन? जानें इसे खाने के अनोखे फायदे

सर्दियों का मौसम अपने साथ ठंडक तो लाता ही है, लेकिन साथ में स्किन, बाल और पाचन तंत्र से जुड़ी कई समस्याएं भी लेकर आता है। इन समस्याओं का समाधान करने में आंवला बहुत ही फायदेमंद साबित होता है। यह न केवल आपकी स्किन और बालों को हेल्दी बनाए रखता है बल्कि आपकी इम्यूनिटी भी मजबूत करता है। आंवला, जिसे इंडियन गूसबेरी भी कहते हैं, सर्दियों के लिए एक सुपरफूड है। विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर यह फल हमारे शरीर के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है। खास बात यह है कि इसे आप कई तरीकों से खा सकते हैं।

आंवले के फायदे

स्किन के लिए बेहतरीन

आंवला विटामिन सी का बेहतरीन स्रोत है, जो एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट के रूप में काम करता है। यह त्वचा को फ्री रेडिकल्स से बचाकर उसकी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करता है। आंवला कोलेजन के उत्पादन को बढ़ावा देता है, जिससे त्वचा में कसावट और चमक आती है। यह न केवल झुर्रियों को कम करता है बल्कि त्वचा की लोच को भी बनाए रखता है। सर्दियों में त्वचा अक्सर रूखी हो जाती है, लेकिन आंवला स्किन की नमी बनाए रखने में मदद करता है और रूखापन कम करता है। इसके नियमित सेवन से काले धब्बे, मुंहासे और त्वचा के अन्य दाग–धब्बे धीरे–धीरे कम होने लगते हैं, जिससे स्किन का रंग और टेक्सचर एक समान हो जाता है।

बालों की देखभाल में मददगार

बालों के लिए आंवला किसी वरदान से कम नहीं है। सर्दियों में ठंड और ड्राईनेस से बाल कमजोर होकर ज्यादा टूटने लगते हैं, लेकिन आंवला बालों की जड़ों को पोषण देकर इसे मजबूत बनाता है। यह बालों का असमय सफेद होना रोकने में सहायक है, क्योंकि इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट बालों को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं। आंवला जूस स्कैल्प को हाइड्रेट रखता है, जिससे डैंड्रफ की समस्या कम होती है। इसका उपयोग न केवल बालों को मजबूत और घना बनाता है, बल्कि यह बालों को एक नेचुरल शाइन भी देता है। इसके अलावा, आंवला बालों की ग्रोथ को तेज करता है और उन्हें स्वस्थ बनाए रखता है।

पाचन और इम्यूनिटी के लिए फायदेमंद

सर्दियों में ठंड का असर हमारे पाचन तंत्र पर भी पड़ता है, जिससे पाचन धीमा हो सकता है। आंवला इस समस्या को दूर करता है क्योंकि इसमें मौजूद फाइबर पाचन को दुरुस्त रखने में मदद करता है। यह अपच, एसिडिटी और पेट से जुड़ी अन्य समस्याओं को कम करता है। इसके अलावा, आंवला इम्यूनिटी को मजबूत करने के लिए भी बेहद फायदेमंद है। इसमें विटामिन सी की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर को सर्दी–खांसी और फ्लू जैसी आम बीमारियों से लड़ने में मदद करती है। आंवले का नियमित सेवन शरीर को डिटॉक्स करता है और ऊर्जा का स्तर बनाए रखता है। यह सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखने का भी काम करता है।

आंवला खाने के आसान तरीके

आंवले का अचार

आंवले का अचार न केवल स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि यह आंवले को लंबे समय तक इस्तेमाल करने का बेहतरीन तरीका भी है। इसमें हल्दी, सरसों का तेल और मसाले मिलाकर इसे और ज्यादा फायदेमंद बनाया जा सकता है। यह भोजन के साथ हेल्दी साइड डिश के रूप में खाया जा सकता है, जो न केवल स्वाद बढ़ाता है बल्कि शरीर को विटामिन और पोषक तत्व भी प्रदान करता है।

आंवला जूस

सुबह खाली पेट आंवला जूस पीना शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है और आपके दिन की शुरुआत ताजगी के साथ करता है। आंवला जूस त्वचा को ग्लोइंग बनाता है, बालों की जड़ों को मजबूत करता है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। इसे शहद मिलाकर पीने से इसका स्वाद और गुण दोनों बढ़ जाते हैं।

आंवला पाउडर

अगर ताजे आंवले का उपयोग संभव न हो, तो आंवले का पाउडर एक अच्छा विकल्प है। इसे दूध या गुनगुने पानी में मिलाकर पिया जा सकता है। आंवला पाउडर आपके पाचन को बेहतर करता है और शरीर को पूरे दिन ऊर्जावान बनाए रखता है। इसे नियमित रूप से लेने से स्किन और बालों पर अद्भुत प्रभाव दिखता है।

ताजा आंवला

ताजा आंवला खाना सबसे प्राकृतिक और हेल्दी तरीका है। आप इसे सीधे काटकर खा सकते हैं या इसे हल्का सा उबालकर इस्तेमाल कर सकते हैं। रोजाना 1–2 आंवले खाने से आपकी इम्यूनिटी मजबूत होती है और सर्दियों में आप एनर्जेटिक महसूस करते हैं। ताजा आंवला आपके शरीर को विटामिन सी और अन्य पोषक तत्वों का सीधा लाभ पहुंचाता है। सर्दियों में इन तरीकों से आंवले को अपने डाइट में शामिल करें और इसके फायदे का आनंद लें! आंवले का नियमित सेवन स्किन और बालों के लिए चमत्कारी साबित हो सकता है। विटामिन सी से भरपूर होने के कारण यह शरीर में सूजन को कम करता है और त्वचा को स्वस्थ बनाता है। इसलिए, इस सर्दी अपने आहार में आंवले को जरूर शामिल करें और इसके हेल्थ बेनिफिट्स का आनंद लें!

सर्दियों में घरेलू उपाय से करें त्वचा की देखभाल करें, स्किन होगी ग्लोइंग

चाहे ठंडी हवा हो या दोपहर की हल्की धूप हो, सर्दी कई मायनों में एक खूबसूरत मौसम है। हालांकि, अगर नजरअंदाज कर दिया जाए तो ठंडी हवा अक्सर हमारी त्वचा को सुस्त और ड्राई बना सकती है। सर्दियों का मौसम हमारी त्वचा और बालों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है और अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। आइए जानते हैं सर्दियों में किस तरह त्वचा का ख्याल रखना जरुरी है।

नारियल का तेल

नारियल का तेल त्वचा पर सुरक्षा प्रदान करता है और नमी को बनाए रखता है। नहाने से ठीक पहले इसका प्रयोग आपकी त्वचा को चमकदार और स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है, वहीं नारियल का तेल एक्जिमा जैसे संक्रमण का इलाज करने और ड्राई, पपड़ीदार और खुजली वाली त्वचा के लक्षणों को कम करने में भी मदद कर सकता है।

घी

घी पारंपारिक रुप से त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होता है। घी में मौजूद आवश्यक फैटी एसिड त्वचा को काफी पोषण प्राप्त होता है और स्किन की मरम्मत करना भी जरुरी है। घी किसी मॉइस्चराइजर से कम नहीं है। घी को चेहरे और होठों पर थोड़ी सी मात्रा लगाने से ड्राई स्किन से निपटा जा सकता है।

शहद

शहद का प्रयोग मॉइस्चराइजर के रुप में किया जा सकता है। शहद को चेहरे पर लगाने से स्किन को जवान और चमकदार बनाता है। यह चेहरे की महीन रेखाएं और झुर्रियों कम करता है। शहद में एंटीऑक्सीडेंट भी मौजूद होता हैं, जो मुक्त कणों से लड़ते हैं, जो समय से पहले बूढ़ा होने का प्रमुख कारणों में से एक होता है। अगर आप फेस पर शहद का बना हुए पैक लगाते हैं, तो स्किन मुलायम बनाती है।

हल्दी

सर्दी के दौरान हल्दी का प्रयोग त्वचा के लिए बेहद लाभकारी होता है। क्योंकि यह ड्राई त्वचा, मुंहासे और सुस्ती से निपटने में मदद कर सकती है। हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो त्वचा की प्राकृतिक चमक को लाने में मदद कर सकते हैं। लेकिन सेंसिटिव या ऑलीय त्वचा वाले लोगों को इसके प्रयोग नहीं करना चाहिए।

मलाई

मलाई में प्राकृतिक एंजाइम शामिल होते हैं जो त्वचा को धीरे से एक्सफोलिएट करते हैं, मृत कोशिकाओं को हटाते हैं और सेल टर्नओवर को बढ़ावा देते हैं। मलाई चमकदार रंगत पाने और अक्सर सर्दियों की त्वचा से जुड़ी सुस्ती से निपटने में मदद करता है। हालांकि, तैलीय त्वचा वाले लोगों को इसे अधिक समय तक नहीं रखना चाहिए और इसके बाद किसी सौम्य फेसवॉश से अपना चेहरा धोना जरुरी है।

संक्षिप्त

पीयूष गोयल ने कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए उपभोग के टिकाऊ तरीकों को बढ़ावा देने का किया आह्वान

नयी दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने और पर्यावरण संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए उपभोग के टिकाऊ तरीकों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दुनियाभर के लोगों को पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ उत्पादों के उपभोग पर ध्यान केंद्रित करना होगा। गोयल ने कहा, ''हमें अपनी वर्तमान जीवनशैली के कारण होने वाले अपशिष्ट तथा कार्बन उत्सर्जन को लेकर सचेत रहने की जरूरत है। यह दुनिया के बेहतर भविष्य का आधार होगा। जब तक हम उपभोग के तरीके पर ध्यान नहीं देंगे, हम स्थिरता तथा पर्यावरणीय चुनौतियों संबंधी मुद्दों का समाधान नहीं कर पाएंगे।'' मंत्री ने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के साझेदारी शिखर सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय संबंधी परेशानियों की जड़ विनिर्माण के जरिये होने वाला कार्बन उत्सर्जन नहीं बल्कि '' यह (हमारे) उपभोग से उत्पन्न कार्बन अधिक है क्योंकि विनिर्माण केवल उपभोग की मांग की वजह से होता है।'' गोयल ने उपभोग को बेहतर व टिकाऊ तरीके से प्रबंधित करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम में इज़राइल के अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री एम. के. निर बरकत ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार एवं आर्थिक संबंध बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत से संयुक्त अरब अमीरात, इज़राइल के जरिये यूरोप तक विस्तारित गलियारा आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने में मदद करेगा।

कोल इंडिया का उत्पादन चालू वित्त वर्ष के अप्रैल–नवंबर में दो प्रतिशत से अधिक बढ़ा

नयी दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया का कोयला उत्पादन चालू वित्त वर्ष 2024–25 की अप्रैल–नवंबर अवधि में 2.4 प्रतिशत बढ़कर 47.1 करोड़ टन (एमटी) हो गया। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में उत्पादन 46 करोड़ टन रहा था। घरेलू कोयला उत्पादन में सीआईएल का योगदान 80 प्रतिशत से अधिक है। सीआईएल ने बीएसई को दी गई सूचना में बताया, कंपनी का उत्पादन नवंबर में 1.7 प्रतिशत बढ़कर 6.72 करोड़

टन हो गया, जबकि एक साल पहले इसी महीने यह 6.6 करोड़ टन था। कोयला खदानों से आपूर्ति किए जाने वाले कोयले की मात्रा यानी कोयला उठाव चालू वित्त वर्ष की अप्रैल–नवंबर अवधि में 1.5 प्रतिशत बढ़कर 49.26 करोड़ टन हो गया, जबकि एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में यह 48.52 करोड़ टन था। कंपनी का कोयला उठाव नवंबर में 6.3 करोड़ टन पर लगभग स्थिर रहा, जो नवंबर 2023 में 6.2 करोड़ टन था। कोल इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023–24 में 77.36 करोड़ टन उत्पादन किया था। हालांकि, यह वित्त वर्ष के लिए निर्धारित 78 करोड़ टन के लक्ष्य से कम रहा। वित्त वर्ष 2022–23 में कोयला उत्पादन 70.32 करोड़ टन था।

उबर ने अपने ऐप पर शिकारा बुकिंग के साथ भारत की पहली जल परिवहन सेवा की शुरू

श्रीनगर,एजेंसी। टैक्सी सेवा प्रदाता कंपनी उबर ने भारत में अपनी पहली जल परिवहन सेवा शुरू की है। उबर इंडिया एवं दक्षिण एशिया के अध्यक्ष प्रभजीत सिंह ने बताया कि उबर के ऐप के जरिये अब श्रीनगर में डल झील पर शिकारे की बुकिंग की जा सकेगी। कंपनी ने एशिया में अपनी तरह की यह पहली सेवा शुरू की है। सिंह ने कहा, '' 'उबर शिकारा' यात्रियों को

शिकारा की सवारी के लिए एक सहज अनुभव देने के लिए प्रौद्योगिकी तथा परंपरा को मिलाने का हमारा प्रयास है। हमें कश्मीर के लुभावने परिदृश्य में पहुंच बढ़ाने और पर्यटन को बढ़ावा देने वाली यह सेवा प्रदान करने पर गर्व है।'' उबर के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि भारत में उबर की जल परिवहन सेवा एशिया में भी अपनी तरह की पहली सेवा है। कंपनी इटली के वेनिस सहित कुछ यूरोपीय देशों में जल परिवहन बुकिंग की सुविधा प्रदान करता है। भारत में कंपनी ने शुरुआत में सात शिकारा को शामिल किया है और सेवा की लोकप्रियता के आधार पर धीरे–धीरे बेड़े का विस्तार करने की योजना बना रही है। उबर उपयोगकर्ता सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर शिकारा बुक कर सकेंगे। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि उबर अपने शिकारा भागीदारों से कोई शुल्क नहीं ले रही है और पूरी राशि उन्हें दे दी जाएगी। शिकारा ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष वली मोहम्मद भट्ट ने कहा कि डल झील में करीब 4,000 शिकारा हैं और उन्हें उम्मीद है कि उबर और अधिक शिकारा साझेदारों को अपने साथ जोड़ेगा।

जसप्रीत बुमराह महानतम तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाने जाएंगे : ट्रैविस हेड

ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज ट्रैविस हेड को लगता है कि जसप्रीत बुमराह इस खेल के महानतम तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाने जाएंगे और उन्होंने कहा कि वह बड़े गर्व से अपने पोते–पोतियों को भारतीय तेज गेंदबाज का सामना करने की कठिन चुनौती के बारे में बताएंगे।

एडिलेड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रैविस हेड को लगता है कि जसप्रीत बुमराह इस खेल के महानतम तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाने जाएंगे और उन्होंने कहा कि वह बड़े गर्व से अपने पोते–पोतियों को भारतीय तेज गेंदबाज का सामना करने की कठिन चुनौती के बारे में बताएंगे। बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारत यह मैच 295 रन से जीतने में सफल रहा। हेड ने संवाददाताओं से कहा, ''जसप्रीत को शायद इस खेल को खेलने वाले सबसे महान तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाना जाएगा। अभी हम यह पता लग रहे हैं कि वह हमारे लिए कितना चुनौती पूर्ण हो सकता है। उसके खिलाफ खेलना अच्छा है।'' उन्होंने कहा,''जब मैं भविष्य में अपने करियर पर नजर डालूंगा तो बड़े गर्व से अपने पोते पोतियों को बताऊंगा कि मैंने उनका सामना किया था। इसलिए उनके खिलाफ खेलना बुरा नहीं है। उम्मीद है मुझे आगे भी उनके खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा लेकिन उनका सामना करना चुनौती पूर्ण है।'' हेड पर्थ में अर्धशतक बनाने वाले एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज थे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ, उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, लेकिन मध्यक्रम के इस विस्फोटक बल्लेबाज को यकीन है कि उनके साथी टिप्स के लिए उनसे संपर्क नहीं करेंगे। उन्होंने कहा,''यह निश्चित है कि वे मुझसे बल्लेबाजी के टिप्स नहीं लेंगे। प्रत्येक खिलाड़ी का खेलने काअपना तरीका होता है।'' दोनों टीमें अब शुक्रवार से एडिलेड में

उसी स्थान पर गुलाबी गेंद का टेस्ट खेलेंगी जहां भारत 2020 में 36 रन पर आउट हो गया था। हेड ने उस मैच को याद करते हुए कहा, ''मुझे याद है कि वह मैच जल्दी समाप्त हो गया था। हमने उस मैच का भरपूर आनंद लिया था। फिर से ऐसा करना अच्छा होगा लेकिन मुझे नहीं लगता कि अगले मैच में ऐसा होगा।'' हेड ने इसके साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया की संघर्षरत बल्लेबाजी और गेंदबाजी इकाई के बीच किसी तरह का मतभेद नहीं है। पहले टेस्ट के दौरान जोश हेज़लवुड की एक टिप्पणी के बाद टीम के भीतर संभावित मतभेद की आशंका व्यक्त की जाने लगी थी। उन्होंने कहा, ''हमें दोनों विभाग (बल्लेबाजी और गेंदबाजी) से काफी उम्मीदें हैं और यह एक बहुत ही व्यक्तिगत खेल है। बल्लेबाजी में हम मजबूत पकड़ बनाना चाहते हैं और हम जानते हैं कि हमारे गेंदबाजों ने अतीत में कितना अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने हमें कई बार परेशानियों से बाहर निकाला है।'' हेड को पूरा विश्वास है कि पहले टेस्ट में करारी हार के बावजूद उनकी टीम वापसी करने में सफल रहेगी। उन्होंने कहा,''हमारी टीम प्रतिकूल परिस्थितियों से अच्छी तरह से निपटी है। पिछले तीन या चार वर्षों में हमने हर चुनौती का अच्छी तरह से सामना किया है। पिछले कुछ वर्षों में कई टीम ने पहला टेस्ट मैच हारने के बाद अच्छी वापसी की और वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया।

आरसीबी का कप्तान ये खिलाड़ी बन सकता है, स्टार स्पिनर आर अश्विन ने बताया नाम

आरसीबी ने अपनी नई टीम तैयार कर ली है, लेकिन इस टीम का अगला कप्तान कौन होगा इस पर अभी भी चर्चा चल रही है। विराट कोहली को छोड़ दें तो इस टीम में क्रुणाल पंड्या और भुवनेश्वर कुमार के रूप में दो ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें ये जिम्मेदारी दी जा सकती है, लेकिन फिलहाल कुछ साफ नहीं है।

आईपीएल 2025 की नीलामी के जरिए आरसीबी ने अपनी नई टीम तैयार कर ली है, लेकिन इस टीम का अगला कप्तान कौन होगा इस पर अभी भी चर्चा चल रही है। विराट कोहली को छोड़ दें तो इस टीम में क्रुणाल पंड्या और भुवनेश्वर कुमार के रूप में दो ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें ये जिम्मेदारी दी जा सकती है, लेकिन फिलहाल कुछ साफ नहीं है, लेकिन इन सारी बातों के बीच टीम इंडिया के स्टार स्पिनर आर अश्विन ने बताया है कि इस टीम का अगला कप्तान कौन हो सकता है। दरअसल, अश्विन का मानना है कि विराट कोहली आईपीएल 2025 सीजन के लिए आरसीबी के कप्तान हो सकते हैं। कोहली ने 2022 में इस टीम की कप्तान हो सकते है। कोहली ने 2022 में इस टीम की कप्तानी छोड़ दी थी, लेकिन 2023 में फॉफ डुप्लेसिस के चोटिल होने के बाद कुछ मैचों में उन्होंने टीम की कप्तानी की थी। आरसीबी की तरफ से फिलहाल कप्तान को लेकर कुछ नहीं कहा जा रहा है, लेकिन अश्विन को लगता है कि ये पहले से तय है। उन्होंने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा कि कोहली ही कप्तान की भूमिका में नजर आएंगे क्योंकि आरसीबी ने नीलामी के तहत किसी खिलाड़ी को नहीं खरीदा जो कप्तान बन सके। टीम इंडिया के स्पिनर ने भी कहा कि, आरसीबी के लिए ये नीलामी बेहतरीन रही क्योंकि उन्होंने अपनी टीम को संतुलित किया और सही खिलाड़ियों का चयन करने का इंतजार किया। अश्विन ने कहा कि आरसीबी ने आरटीएम का ज्यादा इस्तेमाल किए बगैर ही अपने पहले 12–14 खिलाड़ियों को समझदारी से खरीदा। उन्होंने कहा कि मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि उनकी नीलामी शानदार रही। उन्होंने संतुलन बनाए रखा और इंतजार किया। कई टीमें इस नीलामी में कई करोड़ रुपये लेकर आई थीं। वे शुरुआत से ही धमाकेदार प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन आरसीबी ने इंतजार करने का खेल खेला, जबकि उनके पास बहुत सारा पैसा था।

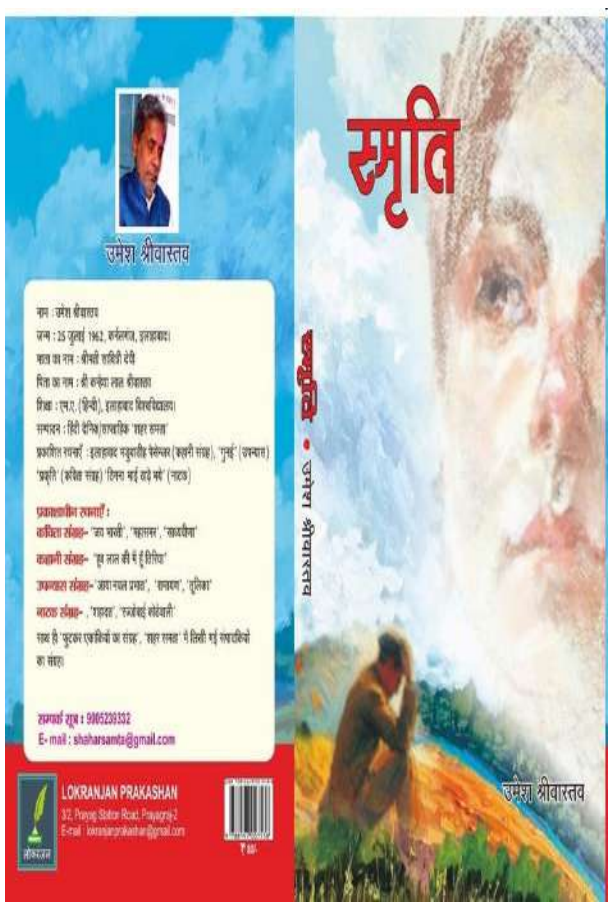

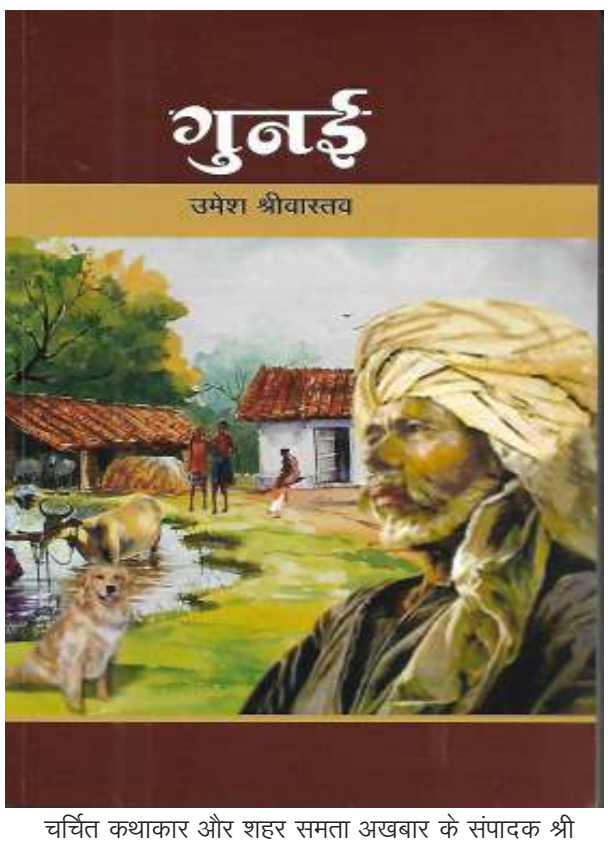

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

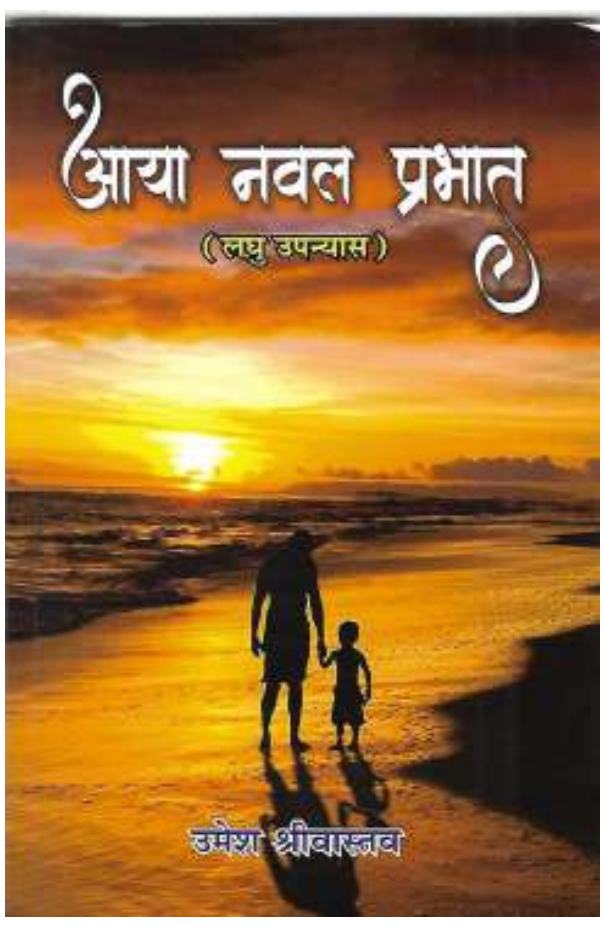

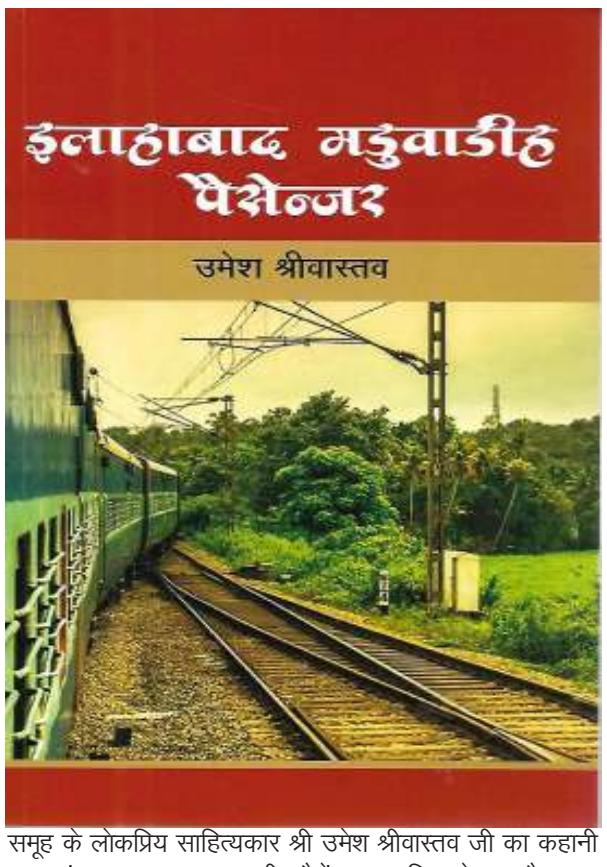

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

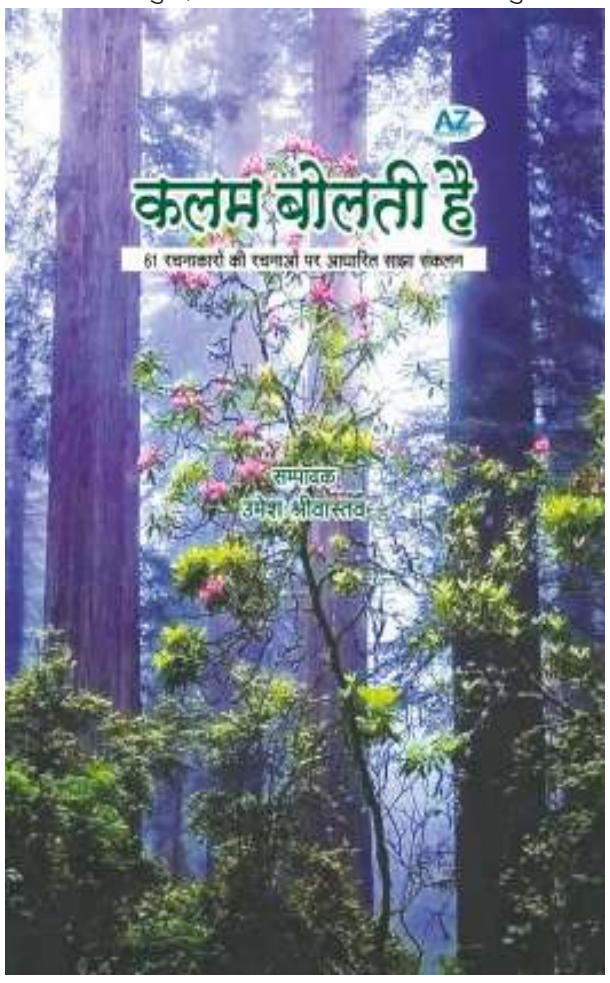

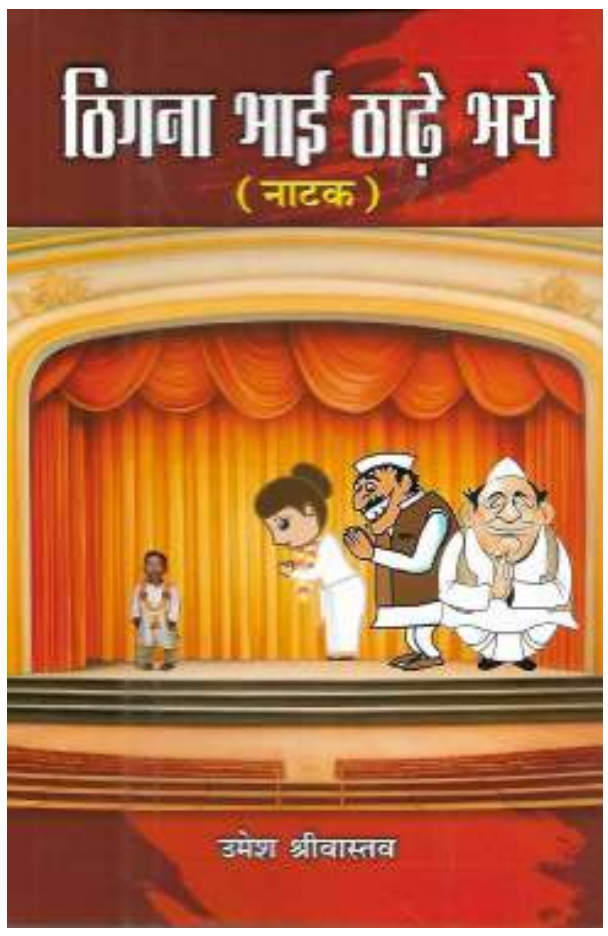

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

पाकिस्तान पर ट्रंप की पहली स्ट्राइक! 18 अरब रुपए पर शहबाज का संकट शुरू

अमेरिका से पाकिस्तान के लिए एक बहुत बुरी खबर आई है। ट्रंप के प्रेसिडेंट बनने से पहले ही स्वामी ने पाकिस्तान पर स्ट्राइक कर दी। खबर ये है कि अमेरिका में पाकिस्तान के एक होटल की पेमेंट रुक सकती है। इस पाकिस्तानी होटल को अमेरिका ने अब तक 18 अरब रुपए दिए हैं। लेकिन अब ट्रंप के करीबी विवेक रामास्वामी ने होटल के साथ साथ पाकिस्तान को भी टारगेट पर ले लिया है। मामला इतना सीरियस है कि इसे पाकिस्तान पर ट्रंप की पहली स्ट्राइक माना जा रहा है। ट्रंप की नई सरकार में अहम जिम्मेदारी निभाने जा रहे भारतवंशी विवेक रामास्वामी न्यू यॉर्क में पाकिस्तान सरकार के होटल पर भड़क उठे। एक लेखक जॉन लीफेवरे ने दावा किया कि न्यू यॉर्क शहर ने अवैध अप्रवासियों को रखने के लिए पाक सरकार के होटल को लीज पर लेने के लिए 220 मिलियन डॉलर दिए। रामास्वामी ने पोस्ट करते हुए कहा कि न्यू यॉर्क के टैक्सपेयर्स असल में हमारे अपने देश में अवैध प्रवासियों को रखने के लिए एक विदेशी सरकार को भुगतान कर रहे है, यह पागलपन है। होटल 2020 से बंद है और मरम्मत की सख्त जरूरत थी, इसका स्वामित्व पाकिस्तान सरकार के पास है। कथित तौर पर अवैध प्रवासियों को रखने के लिए मैनहट्टन में पूरे रूजवेल्ट होटल को किराए पर देने के लिए न्यूयॉर्क शहर का 220 मिलियन डॉलर का सौदा, पाकिस्तान को अपने अंतरराष्ट्रीय ऋण पर डिफ़ॉल्ट से बचने में मदद करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 1.1 बिलियन डॉलर के व्यापक बेलआउट पैकेज का हिस्सा है। रूजवेल्ट होटल, मैनहट्टन के केंद्र में एक समय की प्रतिष्ठित संपत्ति, लंबे समय से अधिभोग के मुद्दों से जूझ रहा है और सौदे से पहले नवीकरण की आवश्यकता थी। आवास प्रवासियों के लिए इसे किराए पर देने का निर्णय अमेरिका में चल रहे प्रवासी संकट के बीच आया है, जहां शहर शरण चाहने वाले लोगों की बढ़ती संख्या को समायोजित करने के तरीके से जूझ रहे हैं। डॉन की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में, पाकिस्तान सरकार ने पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) के स्वामित्व वाले रूजवेल्ट होटल को 220 मिलियन अमरीकी डालर के बदले न्यूयॉर्क सिटी प्रशासन को तीन साल के लिए पट्टे पर दिया था। उस समय, पाकिस्तान के संघीय रेलवे और विमानन मंत्री ख्वाजा साद रफीक ने पुष्टि की कि सरकार और छल्ब्प्रशासन के बीच एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे।

संक्षिप्त

ज्तनउच ने मचाया धमाल, आईएसआईएस से लेकर बगदादी तक का बने काल! भारतवंशी पटेल को बनाया एफबीआई का चीफ

डेढ़ महीने बाद फिर से अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी होने वाली है। व्हाइट हाउस ने नई रिपब्लिकन सरकार चलाने की तैयारी कर रहे अमेरिका के नवर्विचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फिलहाल अपनी नई टीम बनाने में जुटे हैं। इस समय ट्रंप सोच समझ कर ऐसे लोगों को चुन रहे हैं

जो अगले चार साल तक उनके एजेडों को मजबूती से लागू कर सकें। ट्रंप की नई सरकार में सबसे नया नाम कश्यप काश पटेल का है। डोनाल्ड ट्रंप ने भारतवंशी दिग्गज काश पटेल को फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (एफबीआई) का नया डायरेक्टर बनाया है। कश्यप काश पटेल पेशे से वकील हैं। ट्रंप ने पिछले कार्यकाल में भी काश पटेल को कई अहम जिम्मेदारियां सौंपी थी। ट्रंप के पिछले कार्यकाल में पटेल सीनियर कांसलेट थे। पटेल ने आईएसआईएस, अल–बगदादी और कासिम अल–रिमी के बड़े नेताओं को खत्म करने में अहम भूमिका निभाई थी। ट्रंप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्टूथ सोशलश पर पोस्ट में इसकी घोषणा की और काश पटेल के कामों की तारीफ की। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा श्मुझे घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि कश्यप काश पटेल एफबीआई के अगले निदेशक के रूप में काम करेंगे। काश एक शानदार वकील, इन्वेस्टिगेटर और अमेरिका फर्स्ट सेनानी हैं, जिन्होंने अपना करियर भ्रष्टाचार को उजागर करने, न्याय की रक्षा करने और अमेरिकी लोगों की रक्षा करने में बिताया है।

ट्रंप 2.0 में भारतीय मूल के लोगों का दबदबा

ट्रंप 2.0 में भारतवंशियों का दबदबा है। भारतीय मूल के 4 लोगों को ट्रप प्रशासन में जगह मिली है। काश पटेल के अलावा विवेक रामास्वामी को डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेट एफिशिएंसी के लिए चुना गया है। तुलसी गबार्ड श्डायरेक्टर ऑफ नैशनल इंटेलिजेसश बनी है। जय भट्टाचार्य को श्नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थश (छभ्) के निदेशक के रूप में चुना गया है।

पुतिन ने रूस के रिकॉर्ड रक्षा खर्च को मंजूरी दी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बजट योजनाओं को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत 2025 तक रक्षा खर्च को रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ा दिया जाएगा। इस कदम को मॉस्को द्वारा युद्ध में यूक्रेन से बढ़त हासिल करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। रविवार को सरकारी वेबसाइट पर पोस्ट किए गए बजट का लगभग 32.5 प्रतिशत राष्ट्रीय रक्षा के लिए आवंटित किया गया है, जो मौजूदा वर्ष के 28.3 प्रतिशत से अधिक है। रूसी संसद के दोनों सदनों – स्टेट ड्यूमा और फेडरेशन काउंसिल – के सांसदों ने बजट योजनाओं को मंजूरी दे दी है। रूस–यूक्रेन युद्ध फरवरी 2022 में शुरू हुआ था और यह जंग द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप का सबसे बड़ा संघर्ष है और दोनों पक्षों ने अपने संसाधन इसमें झोंक दिये हैं। कीव को अपने पश्चिमी सहयोगियों से अरबों डॉलर की मदद मिल रही है।

अलास्का के समुद्र में मछुआरों की नौका पलटी, पांच लोग लापता

अमेरिका,एजेंसी। अलास्का की राजधानी जुनो के समीप खराब मौसम के बीच मछुआरों की एक नौका के समुद्र में पलट जाने से पांच लोग लापता हो गए और उनकी तलाश की जा रही है। अमेरिकी तटरक्षक बल ने रविवार को यह जानकारी दी। तटरक्षक बल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, लगभग 50 फुट लंबी नौका 'विंड वॉकर' के चालक दल ने रात 12 बजकर 10 मिनट पर संदेश भेजा कि उनकी नौका पलटने वाली है, लेकिन इसके अलावा और कुछ जानकारी नहीं दे पाया। बाद में पता चला कि 'विंड वॉकर', जूनो के दक्षिण–पश्चिम में पॉइंट कुवर्डन के पास पानी में पलट गई। विज्ञप्ति के अनुसार, 'एएमएचएस हबर्ड' नौका के चालक दल ने यह संदेश सुना और वे घटनास्थल पर सबसे पहले पहुंचे। बचाव कार्य के लिए तटरक्षक बल ने एक 'एमएच–60 जेहॉक' हेलीकॉप्टर और एक नौका को मौके पर भेजा। तलाशी अभियान जारी है। तटरक्षक बल ने बताया कि कुछ लोगों के अनुसार 'विंड वॉकर' पर पांच लोग सवार थे, लेकिन अधिकारियों ने लोगों की संख्या के संबंध में पुष्टि नहीं की है।

मध्य मेक्सिको के एक शहर में गोलीबारी में आठ लोगों की मौत

उत्तर–मध्य मेक्सिको में सड़क किनारे एक दुकान के पास बंदूकधारियों ने ग्राहकों और राहगीरों पर गोलियां बरसा दीं जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गुआनाजुआटो प्रांत के अभियोजकों ने बताया कि गोलीबारी शनिवार देर रात अपेसियो एल ग्रांडे शहर में हुई। इस प्रांत में गिरोहों के बीच गोलीबारी की घटनाएं सामने आती रहती हैं। उन्होंने बताया कि ये लोग दुकान के ठीक बाहर खड़े थे। हमले में एक पुरुष और एक महिला भी घायल हुई है, लेकिन उनकी हालत के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, गोलीबारी में एक स्वास्थ्यकर्मी की भी मौत हो गई। सरकारी एम्बुलेंस एवं पैरामेडिक एजेंसी ने बताया कि शनिवार देर रात एक तकनीशियन की मौत हो गई।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

बांग्लादेश की सरकार ने पार की हदें, हिंदुओं को खोज खोज कर जेल में डाल रही, अब लगने लगे काटने के नारे

ढाका, एजेंसी। क्या बांग्लादेश में हिंदुओं को जीने का हक नहीं है। क्या वहां भारतीय संस्कृति और धर्म को अपराध माना जाता है। ये सवाल आज इसलिए फिर से उठ रहे हैं क्योंकि एक बार फिर बांग्लादेश में हिंदू समुदाय और एस्कॉन भक्तों के साथ ऐसा व्यवहार हुआ जिसे सुनकर हर भारतीयों का खून खौल जाएगा। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले थामे नहीं थम रहे। राजधानी ढाका में एक बहुत बड़ी कट्टरपंथी यात्रा निकली है जिसमें एस्कॉन और हिंदुओं को अल्लाह–हू–अकबर के नाम के साथ काटने के नारे लग गए। साथ ही साथ एक नए नारे को बांग्लादेश की कट्टरपंथी रैलियों में सुना जा रहा है। ये दिल्ली नहीं ढाका है। यहां से निकल जाओ वरना अंजाम बहुत बुरा होगा।

बांग्लादेश की पुलिस ने क्यों रोका

वैध यात्रा दस्तावेजों के साथ भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) के दर्जनों सदस्यों को बांग्लादेश की आव्रजन पुलिस ने बेनापोल सीमा पर वापस भेज दिया। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। बेनापोल आव्रजन पुलिस के प्रभारी अधिकारी इम्तियाज अहसानुल कादिर भुइयां के हवाले से कहा, हमने पुलिस की विशेष शाखा से परामर्श किया और उच्च अधिकारियों से निर्देश मिले कि उन्हें (सीमा पार करने की) अनुमति न दी जाए। विभिन्न जिलों से आए श्रद्धालुओं समेत 54 सदस्य शनिवार रात और रविवार सुबह जांच चौकी पर पहुंचे। हालांकि, अनुमति के लिए घंटों इंतजार करने के बाद उन्हें बताया गया कि उनकी यात्रा अधिकृत नहीं है। इस्कॉन के एक सदस्य सौरभ तपंदर चेली ने कहा कि हम भारत में हो रहे एक धार्मिक समारोह में भाग लेने निकले थे, लेकिन आव्रजन अधिकारियों ने सरकारी अनुमति न होने का हवाला देते हुए हमें रोक दिया।

गिरफ्तारी को गलत तरीके से पेश किया

बांग्लादेश ने यूएन के अल्पसंख्यक मामलों के मंच को बताया कि ढाका में हिंदू नेता की गिरफ्तारी को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने कहा कि इस गिरफ्तारी के पीछे खास आरोप है और इसे कोर्ट में निपटाया जा रहा है। बांग्लादेश के संयुक्त राष्ट्र कार्यालयों में स्थायी प्रतिनिधि तारिक मोहम्मद आरिफुल इस्लाम ने कहा कि हमें यह देखकर बेहद दुख हुआ कि चिन्मय दास की गिरफ्तारी को कुछ लोगों ने गलत तरीके से पेश किया।

ट्रंप ने अपने समधी को बनाया पश्चिम एशिया मामलों का वरिष्ठ सलाहकार

अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को लेबनानी अमेरिकी व्यवसायी मासाद बौलोस को अरब और पश्चिम एशिया मामलों पर वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किया। बौलोस ट्रंप के समधी हैं। ट्रंप की बेटी की शादी बौलोस के बेटे से हुई है। बौलोस ने चुनाव के दौरान मिशिगन में अरब अमेरिकी समुदाय को साधने के लिए ट्रंप की कोशिश का समर्थन किया था और बड़ी अरब अमेरिकी आबादी वाले क्षेत्रों में दर्जनों बैठकें आयोजित कीं थी, जो डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा गाजा और लेबनान में इजराइल के हमलों का समर्थन करने से नाराज थे। ट्रंप ने अरब अमेरिकी बहुल शहर डियरबॉर्न हाइट्स में जीत हासिल की तथा मिशिगन और अन्य महत्वपूर्ण राज्यों में भी जीत दर्ज की। इसके अलावा ट्रंप ने इजरायल में अमेरिकी राजदूत के लिए माइक हुकाबी को नामित किया है जिन्होंने इजराइल के कब्जे वाले क्षेत्र में फलस्तीन राज्य की स्थापना को खारिज किया है। ट्रंप ने रक्षा मंत्री के तौर पर पीट हेगसेथ को नामित किया है जिन्होंने इस्लाम के सबसे पवित्र स्थलों में से एक अल–अक्सा मस्जिद के स्थल पर बाइबिल के मुताबिक यहूदी मंदिर के पुनर्निर्माण की वकालत की है।

फ्रांस में स्की रिजॉर्ट के पास बस दुर्घटना में दो लोगों की मौत, 14 अन्य घायल

दक्षिणी फ्रांस में एक स्की रिजॉर्ट के पास रविवार शाम एक बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि पोर्टे–प्यूमोरेंस स्की रिजॉर्ट के पास जो बस दुर्घटनाग्रस्त हुई उसमें चालक सहित कुल 47 लोग सवार थे। सात लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि बस एक चट्टान से टकराने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुई, लेकिन फिलहाल हादसे का वास्तविक कारण ज्ञात नहीं है। स्थानीय अग्निशमन सेवा द्वारा जारी की गई तस्वीरों में बस को एक चट्टान पास देखा जा सकता है और टक्कर के कारण वाहन का दाहिना भाग आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त नजर आ रहा है तथा इसकी खिड़कियों के शीशे टूटकर बिखरे हुए थे। राहत कार्य में पड़ोसी देश एंडोरा और स्पेन की भी मदद ली गई और हेलीकॉप्टर भी तैनात किए गए। स्पेन के कैटेलोनिया की आपातकालीन सेवाओं ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि बस स्पेन के बार्सिलोना के बाहरी इलाके एल हॉस्पिटलेट डी लोब्रेगेट से आई थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

खैबर पख्तूनख्वा में कई दिनों से मचा बवाल थमेगा? अलीजाई–बागान समुदाय संघर्ष विराम समझौते पर सहमत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर–पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बीते कुछ दिनों से बवाल मचा हुआ था। अलीजाई और बागान समूहों के बीच गोलीबारी जारी थी। हालांकि, अब दो युद्धरत जनजातियों के बीच संघर्ष विराम समझौता हो गया है। मगर, पिछले कई दिनों से जारी खुर्रम कबायली सांप्रदायिक हिंसा में 130 लोगों की जान चली गई। उपायुक्त कुर्रम जवेदुल्ला महसूद ने रविवार को पुष्टि की कि अशांत कुर्रम जिले के संघर्षरत क्षेत्रों में शांति स्थापित हो गई है।

22 नवंबर को शुरू हुआ था संघर्ष

जिले में अलीजाई और बागान समुदायों के बीच संघर्ष 22 नवंबर को शुरू हुआ था। इससे एक दिन पहले पाराचिनार के

पास यात्री गाड़ियों के काफिले पर हमला हुआ था, जिसमें 47 लोग मारे गए थे। गंभीर रूप से घायल हुए कई यात्रियों ने बाद में दम तोड़ दिया था, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 57 हो गई थी। बागान बाजार क्षेत्र से शुरू हुई हिंसा में पिछले दो दिनों में कम से कम 37 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए। यह हिंसा बालिशखेल, खार, काली, जुंज अलीजई और मकबल जैसे अन्य हिस्सों में फैल गई।

जिरगा सड़कों को खोलने के लिए करेगी बात

महसूद ने कहा कि जिला प्रशासन ने रविवार को दो युद्धरत जनजातियों के बीच एक स्थायी युद्ध विराम कराने में सफलता हासिल कर ली है। उन्होंने आगे कहा कि जिरगा (आदिवासी नेताओं की परिषद) सड़कों को फिर से खोलने और शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए बुजुर्गों से बात करेगी। सशस्त्र आदिवासियों को गोलीबारी चौकियों से हटा दिया गया है, जबकि क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

130 हुई मरने वालों की संख्या

अशांत कुर्रम जिले में लगातार 11वें दिन भी हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 130 हो गई। रविवार को कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और आठ घायल हुए हैं। अब तक घायल हुए लोगों की संख्या 186 पर पहुंच गई है।

मोबाइल, इंटरनेट और शैक्षणिक संस्थान पर यह असर

झड़पों का हालिया प्रकरण आठ दिन पहले पुलिस सुरक्षा में दो अलग–अलग काफिलों पर घात लगाकर किए गए हमलों के साथ शुरू हुआ था। तब से, युद्धरत कबीलों के बीच हिंसा बढ़ गई है और पुलिस नियंत्रण बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है। कुर्रम क्षेत्र संचार ब्लैकआउट का सामना कर रहा है, मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं निलंबित हैं और शैक्षणिक संस्थान बंद हैं। मुख्य राजमार्ग के बंद होने से न केवल स्थानीय परिवहन बाधित हुआ है, बल्कि अफगानिस्तान के साथ व्यापार भी पूरी तरह से ठप हो गया है। कोहाट डिवीजन के बुजुर्ग और सांसद युद्धरत जनजातियों के बीच शांति समझौता सुनिश्चित करने के लिए कुर्रम जिले का दौरा करेंगे।

सात दिन का हुआ था संघर्ष विराम

सरकार ने अलीजाई और बागान समुदायों के बीच गत रविवार को सात दिन का संघर्ष विराम कराया था। बाद में इसे बढ़ाकर 10 दिन कर दिया गया था। हालांकि यह संघर्ष विराम पूरी तरह से सफल नहीं हो पाया था। दूसरी ओर, पाकिस्तान की आतंकवाद निरोधक अदालत ने प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के 156 कार्यकर्ताओं की पुलिस रिमांड को मंजूरी दे दी है। खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ के कार्यकर्ताओं को 24 नवंबर को डी–चौक पर धरना प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किया गया था और उनके खिलाफ सचिवालय पुलिस थाने में मामले दर्ज किए गए हैं। पार्टी के सदस्यों ने अवरोधकों को हटाकर इस्लामाबाद पहुंचने का प्रयास किया, जहां मध्य रात्रि को की गई कार्रवाई में चार लोगों की मौत हो गई थी और 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

इमरान खान की पार्टी के प्रदर्शन के दौरान 'कारतूसों' के बिना तैनात थे सुरक्षाकर्मी : पाक सरकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने पिछले सप्ताह पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों द्वारा किए गए हिंसक विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा हत्याओं के आरोपों को रविवार को खारिज कर दिया। मंत्रालय ने कहा कि भीड़ को तितर–बितर करने के लिए सुरक्षाकर्मियों को ''बिना कारतूस'' तैनात किया गया था। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) ने 24 नवंबर को इस्लामाबाद में सत्ता के केंद्र डी–चौक पर धरना देने के लिए विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। पार्टी ने दावा किया कि मंगलवार रात सुरक्षा बलों द्वारा कथित गोलीबारी के कारण उसके कई समर्थक मारे गए।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।